साांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" हद से ज्यादा सीधा-साधा होना भी ठीक नहीं,
क्योंकि जंगल में सबसे पहले सीधे पेड़ों को ही काटा जाता है...!! "
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-128 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 28 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सेल सीएमडी डॉ. एके पंडा ने बीएसपी के परिचालन की समीक्षा की

उच्च उत्पादन लक्ष्य, डायरेक्ट डिस्पैच बढ़ाने और सुरक्षा पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने मंगलवार को भिलाई प्रवास के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र के परिचालन तथा वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने भविष्य के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने, डायरेक्ट डिस्पैच बढ़ाने तथा सुरक्षा एवं उत्पादकता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

गार्ड ऑफ ऑनर से हुआ स्वागत

दौरे के प्रारंभ में निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र एवं कार्यपालक निदेशकों ने भिलाई निवास में सीएमडी डॉ. पंडा का स्वागत किया। इस अवसर पर सीआईएसएफ जवानों द्वारा उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया।

इस्पात भवन में उच्चस्तरीय बैठक

इसके बाद डॉ. पंडा ने इस्पात भवन में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रगति की व्यापक संभावनाएं मौजूद

समीक्षा के दौरान डॉ. पंडा ने पिछले तीन-चार वर्षों में संयंत्र के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभी भी प्रगति एवं विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने डायरेक्ट डिस्पैच बढ़ाने, परिचालन दक्षता में सुधार लाने तथा सुरक्षा मानकों एवं उत्पादकता वृद्धि पर निरंतर फोकस बनाए रखने पर जोर दिया। डॉ. पंडा ने संयंत्र में चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की और प्रबंधन टीम को रणनीतिक मार्गदर्शन दिया। निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र से संगठन की अपेक्षाएं काफी अधिक हैं। संयंत्र सामूहिक रूप से इन लक्ष्यों एवं अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा।

भिलाई नगर पालिक निगम में 79 लाख का सड़क घोटाला : सबूत मिटाने रातों-रात उखाड़ी सड़क

आप नेता जसप्रीत सिंह ने जनदर्शन में की शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 22 कुरूद क्षेत्र में करीब 79 लाख रुपये की लागत से बनी डामर सड़क में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। आम आदमी पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने मंगलवार को दुर्ग जनदर्शन में कलेक्टर को शिकायत सौंपकर स्वतंत्र उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है।

1% से भी कम डामर, पैर से रगड़ने पर उखड़ रही थी गिट्टी

शिकायत के अनुसार वार्ड 22 में शीतला तालाब दक्षिण मार्ग पर 78 से 79 लाख रुपये की लागत से डामर रोड बनाई गई थी। ढहऊनियमों के तहत इसमें न्यूनतम 3.4 प्रतिशत डामर अनिवार्य था, लेकिन आरोप है कि 1 प्रतिशत से भी कम डामर का उपयोग हुआ। सड़क की गुणवत्ता इतनी खराब थी कि पैर से रगड़ने पर गिट्टी बाहर निकल रही थी।

भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाने का आरोप

शिकायत पत्र में कहा गया है कि जिस क्षेत्र में सड़क बनाई गई वहां वर्तमान में कोई वैध बसाहट नहीं है। संबंधित खसरा नंबरों पर भवन अनुज्ञा विभाग द्वारा पहले ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके बावजूद भू-माफियाओं की अवैध प्लॉटिंग को फायदा पहुंचाने के लिए निगम अधिकारियों के संरक्षण में सड़क पास की गई।

रातों-रात उखाड़ी सड़क, सबूत मिटाने का आरोप

स्थानीय लोगों के विरोध के बाद ठेकेदार ने नगर निगम के सक्षम अधिकारियों को बिना सूचना या लिखित अनुमति के रातों-रात पूरी सड़क को मशीनों से उखाड़कर नष्ट कर दिया। शिकायत में इसे शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और जांच प्रभावित करने का संगीन अपराध बताया गया है।

नगर निगम के बजाय जिला प्रशासन से जांच की मांग

आप नेता जसप्रीत सिंह ने कहा कि इस भ्रष्टाचार में विभाग के बड़े अधिकारी और इंजीनियर शामिल हैं, इसलिए नगर निगम प्रशासन से निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कलेक्टर के सीधे नियंत्रण में PWD के तकनीकी विशेषज्ञों की स्वतंत्र जांच टीम गठित करने की मांग की।

जनदर्शन में रखी ये प्रमुख मांगें

नगर निगम को जांच से दूर रखकर जिला कलेक्टर के अधीन स्वतंत्र जांच दल गठित किया जाए। ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए और फर्म को ब्लैकलिस्ट किया जाए। दोषी कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं और उप अभियंताओं को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की जाए। प्रतिबंधित जमीनों पर अवैध प्लॉटिंग करने वाले भू-माफियाओं पर कार्रवाई की जाए। आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि स्वतंत्र उच्च-स्तरीय जांच का आदेश जारी नहीं हुआ तो पार्टी उग्र आंदोलन करेगी।

पुलिस का बड़ा खुलासा, बीएसपी में राखड़ की आड़ में हो रहा था करोड़ों का लोहा चोरी

दो हाइवा समेत 100 टन से ज्यादा जखीरा जब्त, ट्रांसपोर्टर संजय सिंह फरार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट से राखड़ की आड़ में टनों लोहा चोरी करने वाले गिरोह का दुर्ग पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। छावनी सीएसपी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने ग्राम अकलोरडी स्थित एके ट्रेडर्स के यार्ड में छापा मारकर दो हाइवा, एक ट्रक, जेसीबी, क्रेन और 100 टन से अधिक चोरी का लोहा जब्त किया है।

राखड़ के नीचे छिपाकर ले जाते थे लोहा

पुलिस प्रवक्ता सत्य प्रकाश तिवारी के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाइवा वाहन फ्लाई ऐश ले जाने की आड़ में प्लांट से लोहा चोरी कर रहे हैं। आरोपी पहले वाहनों में ब्लूम और कटे हुए लोहे के टुकड़े भरते थे, फिर ऊपर राखड़ डाल देते थे ताकि सुरक्षा जांच में पकड़ में न आएं। चोरी का माल अकलोरडी स्थित यार्ड में डंप किया जा रहा था।

ट्रांसपोर्टर फरार, चार हिरासत में

क्राइम डीएसपी यदुमणि सिदार ने बताया कि यार्ड खुर्सीपार निवासी संजय सिंह का है। मंगलवार शाम दबिश के बाद पुलिस ने देर रात उसके घर पर भी रेड मारी, लेकिन वह फरार मिला। मौके से पकड़े गए दोनों चालकों ने बीएसपी से लोहा चोरी की बात कबूल की है। पुलिस चार लोगों से पूछताछ कर रही है।

600 सीआईएसएफ जवान, 400 कैमरे फिर भी चोरी

बीएसपी में सुरक्षा के लिए करीब 600 सीआईएसएफ जवान तैनात हैं और 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इसके बावजूद रोज 8 से 10 वाहनों में चोरी का लोहा बाहर निकल रहा था। पुलिस अब जांच कर रही है कि प्लांट के भीतर से माल कैसे लोड हुआ और किसकी मिलीभगत रही।

पीएमओ के आदेश के बाद एक्शन

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री कार्यालय से जांच का आदेश मिलने के बाद दुर्ग पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया था। पुलिस ने धारा 106 बीएनएसएस के तहत माल जब्त कर एफएसएल जांच शुरू कर दी है। बीएसपी प्रबंधन से आवेदन लेकर एफआईआर दर्ज करने की तैयारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 40 से 50 ट्रक लोहा पहले ही प्लांट से निकल चुका है।

अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ जारी है और जल्द ही इस बड़े गिरोह के मास्टरमाइंड और मिलीभगत का खुलासा हो सकता है।

खुद को गृह मंत्री का ओएसडी बताकर खिलाड़ियों को धमकाने वाला हुआ गिरफ्तार

खुर्सीपार स्टेडियम में क्रिकेट मैच के दौरान की अभद्रता, पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दीन दयाल उपाध्याय स्टेडियम खुर्सीपार में क्रिकेट मैच के दौरान खुद को गृह मंत्री का ओएसडी बताकर खिलाड़ियों को डराने-धमकाने वाले आरोपी को खुर्सीपार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

मैच के दौरान की अभद्रता

दिनांक 25 मई 2026 को खुर्सीपार स्थित दीन दयाल उपाध्याय स्टेडियम में क्रिकेट मैच चल रहा था। इस दौरान आरोपी सर्वेश सिंह ने खुद को गृह मंत्री का ओएसडी बताते हुए खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और उन्हें धमकाया। आरोपी ने खुद को प्रभावशाली व्यक्ति बताकर खिलाड़ियों पर दबाव बनाने की कोशिश की।

शिकायत पर हुई कार्रवाई

प्रार्थी जय प्रकाश ने 27 मई को थाना खुर्सीपार में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। आरोपी सर्वेश सिंह, 38 वर्ष, निवासी नेताजी चौक लिंक रोड, थाना जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा के खिलाफ इस्तगासा क्रमांक 42/102/2026 धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

कोर्ट में पेश, भेजा जेल

आरोपी को अनुविभागीय दण्डाधिकारी छावनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में थाना खुर्सीपार पुलिस स्टाफ की त्वरित और प्रभावी भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपराधिक कृत्य की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान के साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश, 20 लाख की ठगी करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

फर्जी व्हाट्सएप डीपी लगाकर कंपनी खाते से निकाले थे पैसे, 1.20 लाख नकद सहित दस्तावेज जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने राजस्थान के अंतर्राज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने कंपनी डायरेक्टर की फर्जी व्हाट्सएप डीपी लगाकर 20 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी की थी। पुलिस ने 1 लाख 20 हजार रुपये नकद, मोबाइल, एटीएम कार्ड, पासबुक और सिमकार्ड समेत कई दस्तावेज जब्त किए हैं।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

थाना सुपेला में प्रार्थी यश बत्रा निवासी सुंदर नगर भिलाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी कंपनी साईराम व्हील्स प्रा. लि. के बैंक खाते से अज्ञात लोगों ने कंपनी डायरेक्टर श्रीचंद बत्रा की फोटो लगाकर फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाई। कंपनी के डायरेक्टरों के व्हाट्सएप ग्रुप में फर्जी मैसेज भेजकर अकाउंटेंट से एचडीएफसी बैंक खाते में 20 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए।

रायपुर में बदल रहे थे ठिकाने

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना सुपेला एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। पता चला कि आरोपी संगठित तरीके से फर्जी बैंक खाते खुलवाकर और खाताधारकों को कमीशन का लालच देकर ठगी की रकम निकालते थे। आरोपी रायपुर के तनिष्क होटल राठौर चौक में रुके थे। पुलिस की भनक लगते ही ठिकाने बदलकर किराए के मकानों में छिपने की फिराक में थे।

घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर सूचना पर घेराबंदी की। आरोपी पंकज शर्मा समेत कुछ आरोपियों को रायपुर जयस्तंभ चौक के पास पकड़ा गया। अन्य आरोपी बूढ़ा तालाब क्षेत्र में किराए का मकान तलाशते हुए पकड़े गए। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे राजस्थान से आकर अलग-अलग शहरों में होटल व किराए के मकानों में रुककर पहचान छिपाते हुए साइबर ठगी करते थे। राजस्थान के लोगों के आधार कार्ड में स्थानीय पता अपडेट कराकर रायपुर में बैंक खाते खुलवाए गए थे। उन्हीं खातों से ठगी की रकम निकाली जाती थी।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

ये हुए गिरफ्तार मुरली जनागल, 19 वर्ष, अमरपुरा, गंगाशहर, बीकानेर, गोपाल सोनी, 25 वर्ष, चीपड़ाबाड़ी, गंगाशहर, बीकानेर, मोती सिंह, 18 वर्ष, सोइरा शेरगढ़, जोधपुर, मोतीलाल शर्मा, 18 वर्ष, बापीनी, पतोड़ा, जोधपुर, बनवारी शर्मा, 28 वर्ष, गंगाशहर, बीकानेर और पंकज शर्मा, 24 वर्ष, लोहावट, जोधपुर शामिल हैं।

ये सामान जब्त

पुलिस ने 1.20 लाख नकद, 6 मोबाइल, 10 डेबिट कार्ड, 4 पेन कार्ड, 1 आधार कार्ड, 1 वोटर आईडी, 1 ड्राइविंग लाइसेंस, 4 चेक बुक, 1 पासबुक, 4 आधार एक्नॉलेजमेंट, 3 सिम, 12 डिपॉजिट स्लिप, 12 फोटो और 1 कॉपी जब्त की है। थाना सुपेला एवं एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई से अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ। आरोपियों के खिलाफ थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 712/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दुर्ग में बोर सूखे, तालाब खाली, सूखे नलों के सामने बैठी जनता के बीच पहुंचे अरुण वोरा

शहर के 24 तालाबों का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिससे तालाबों के आसपास रहने वाले लोगों के सामने निस्तारी का गंभीर संकट

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर में लगातार गहराते जलसंकट को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने संकटग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय नागरिकों ने उन्हें बताया कि शहर के कई तालाबों का जलस्तर तेजी से घट रहा है, जबकि अधिकांश बोर या तो सूख चुके हैं या खराब पड़े हैं। भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या से जूझ रही जनता की परेशानी को देखते हुए अरुण वोरा ने नगर निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तत्काल तालाबों में पानी भरने और मरम्मत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

वोरा ने नगर निगम और सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री आशुतोष सारस्वत से चर्चा करते हुए कहा कि शहर के 24 तालाबों का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिससे तालाबों के आसपास रहने वाले लोगों के सामने निस्तारी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि बड़ी आबादी आज भी तालाबों पर निर्भर है, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण बोरसी, पोटिया, ठगड़ाबांध, दीपक नगर और कातुलबोड जैसे क्षेत्रों के तालाबों में समय पर पानी भरने का काम शुरू नहीं किया गया।

अरुण वोरा ने कहा कि शिवनाथ नदी का जलस्तर भी लगातार घट रहा है, जिससे बोरों का वाटर लेवल तेजी से डाउन हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तालाबों की सफाई, रिपेयरिंग, नहरों की टूट-फूट और लीकेज को तत्काल सुधारा जाए, ताकि बांध से छोड़ा गया पानी शहर के सभी तालाबों तक आसानी से पहुंच सके।

उन्होंने निगम प्रशासन को जलसंकटग्रस्त वार्डों की लगातार मॉनिटरिंग करने की सलाह देते हुए कहा कि नलों में पानी का प्रेशर कम होने और सप्लाई बाधित होने की शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाना चाहिए। वोरा ने आरोप लगाया कि फेस-2 और अमृत मिशन जैसी योजनाओं का लाभ अब तक आम जनता को नहीं मिल पाया है।

उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि लोग नलों के सामने बैठकर पानी की एक-एक बूंद का इंतजार करने मजबूर हैं। न तो पर्याप्त प्रेशर से पानी मिल रहा है और न ही साफ पानी उपलब्ध हो पा रहा है। मजबूरी में लोग गंदे पानी का उपयोग करने को विवश हैं, जो सीधे तौर पर जनता के स्वास्थ्य और जीवन से खिलवाड़ है।

खास खबर

शिक्षक संगठनों के साथ शिक्षा विभाग की बैठक, समस्याओं के निराकरण की तय हुई समय सीमा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेवा पुस्तिका संधारण 10 जून तक, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आवेदन 7 दिन में डीईओ को भेजना होगा

जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला शिक्षा कार्यालय दुर्ग में शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षक-कमर्चारी संगठनों की परामशर्दात्री समिति की बैठक हुई। बैठक में स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए समय सीमा तय की गई।

10 जून तक संधारित होगी सेवा पुस्तिका

डीईओ अरविंद मिश्रा ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को सेवा पुस्तिका और जीपीएफ पासबुक का संधारण 10 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए। सेवा पुस्तिका संधारण के बाद कोष-लेखा कार्यालय से परीक्षण हेतु भेजने पर संगठनों को सूचना देने के लिए भी बीईओ को कहा गया है।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर सख्त समय सीमा

चिकित्सा प्रतिपूर्ति के मामलों में बीईओ आवेदन मिलने के 7 दिन के भीतर जिला शिक्षा कार्यालय को भेजेंगे। जिला शिक्षा कार्यालय 3 दिन में आबंटन के लिए लोक शिक्षण संचालनालय को प्रस्ताव भेजेगा। आबंटन मिलने पर बीईओ को 7 दिन के भीतर संबंधित शिक्षक को भुगतान करना होगा। देरी होने पर बीईओ और प्रभारी लिपिक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

लिपिक पदस्थापना की मांग

बैठक में दुर्ग और धमधा के बीईओ ने अपने कार्यालय में लिपिक की पदस्थापना का आग्रह किया। बैठक में सहायक संचालक सीमा नायक, बीईओ गोविंद शुक्ला दुर्ग, डालेन्द्र देवांगन पाटन, अथर्व शर्मा धमधा अपने स्थापना शाखा के प्रभारी लिपिक सहित मौजूद रहे। शिक्षक संगठनों से ओम प्रकाश पाण्डेय, गिरीश साहू, भानु प्रताप यादव, सतीश चन्द्राकर, चंचल द्विवेदी, अमितेश तिवारी, लिखन लाल भुआर्य, आनंद पाण्डेय, शैलेन्द्र साहू, लक्ष्मीकांत तिवारी, देवेंद्र कुमार साहू आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन मुख्य लिपिक सुखेंद्र देवांगन ने किया।

नगर निगम भिलाई की सहायक अभियंता प्रिया खैरवार का निधन, जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक

विधायक देवेंद्र यादव, रिकेश सेन व मेयर नीरज पाल बोले- प्रशासनिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति

भिलाई। नगर निगम भिलाई में पदस्थ सहायक अभियंता श्रीमती प्रिया खैरवार के आकस्मिक निधन से निगम व प्रशासनिक क्षेत्र में शोक की लहर है। उनका असमय जाना समाज और प्रशासन के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, मेयर नीरज पाल, भाजपा नेता पार्षद महेश वर्मा, संतोष मौर्या समेत कई जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि श्रीमती खैरवार ने अपने कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा से सेवाएं दीं। उनके निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति देने और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

---

45 डिग्री की गर्मी में ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षक केशर ने पेश की मानवता की मिसाल

राजेंद्र पार्क चौक पर प्यास से तड़प रही वृद्धा को नव आरक्षक ने पिलाया पानी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भीषण गर्मी और 45 से 46 डिग्री तापमान में भी यातायात व्यवस्था संभाल रही दुर्ग पुलिस की महिला नव आरक्षक ने मानवता की मिसाल पेश की है। राजेंद्र पार्क चौक पर ड्यूटी के दौरान नव आरक्षक केशर साहू ने प्यास से व्याकुल वृद्ध महिला को अपने पास मौजूद पानी पिलाकर राहत पहुंचाई।

चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैद यातायात पुलिस

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा तेज धूप और भीषण गर्मी के बीच शहर के चौक-चौराहों पर लगातार ड्यूटी की जा रही है। अधिकारी और कमर्चारी नागरिकों की सुरक्षा व यातायात संचालन में मुस्तैदी से जुटे हैं। इसी दौरान मंगलवार को राजेंद्र पार्क चौक पर तैनात महिला नव आरक्षक केशर साहू ने एक वृद्ध महिला को प्यास से तड़पते देखा। वृद्धा की हालत देखकर आरक्षक ने बिना देर किए अपने पास रखा पानी उन्हें पिलाया। इस मानवीय कार्य से मौके पर मौजूद लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और सम्मान और बढ़ गया।

कर्तव्य के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी

यातायात पुलिस दुर्ग कर्तव्य निर्वहन के साथ जरूरतमंदों की मदद कर सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रही है। महिला नव आरक्षक केशर साहू के इस कार्य की सराहना हो रही है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि भीषण गर्मी में खुद सुरक्षित रहें, पर्याप्त पानी पीते रहें और असहाय व जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आएं।

सखी निवास के प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर पदों के लिए दावा-आपत्ति 3 जून तक आमंत्रित

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा इमिशन शक्तिइ योजना के अंतर्गत संचालित इसखी निवासइ में पदों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर अधिकारिक सूचना (शुद्धि पत्र) जारी की गई है। इस संशोधित अधिसूचना के माध्यम से पूर्व में जारी विज्ञापन की शर्तों में आंशिक बदलाव करते हुए अभ्यर्थियों से दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सखी निवास में प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर के पदों पर भर्ती हेतु पूर्व में जारी विज्ञापन में पदों को आरक्षण नियम के अनुसार आरक्षित किया गया था। शासन के नए निर्देशानुसार, उक्त पद सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) के होने के कारण इनमें आरक्षण नियम का पालन किया जाना अनिवार्य नहीं है। अत: शासन के निर्देशों के परिपालन में विज्ञापित आरक्षित पदों को अब अनारक्षित किया गया है। भर्ती से जुड़े संशोधित नियमों के संबंध में यदि किसी भी आवेदक को कोई आपत्ति हो, तो वे विज्ञापन प्रकाशन के 10 दिवस के भीतर अपनी दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए अंतिम तिथि 03 जून 2026 निर्धारित की गई है।

ग्राम अंडा में 30.50 करोड़ का नया 132/33 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत, 38 गांवों को मिलेगी निर्बाध बिजली

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम अंडा में 30 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित 132/33 केवी का नया उपकेंद्र सोमवार को ऊर्जीकृत कर दिया गया। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर उपकेंद्र का शुभारंभ किया। 80 एमवीए क्षमता के इस उपकेंद्र से जिले के 38 से अधिक गांवों को उच्च गुणवत्ता की निर्बाध बिजली मिल सकेगी।

5 नए फीडरों से होगी सप्लाई

इस अवसर पर एमडी श्री शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पॉवर कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह के निर्देशन में पारेषण नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है। नए उपकेंद्र में 40 एमवीए के दो पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। यहां से 33 केवी के 5 नए फीडरों के जरिए बिजली सप्लाई होगी।

इन गांवों को मिलेगा लाभ

उपकेंद्र से अंडा, विनायकपुर, चंद्रखुरी, तिरगाझोला, कुथरेल, हनोदा, अंजोरा, मोहंदीपाट, निकुम, आलबरस, सकरौद, खप्परवाड़ा, रिसामा, चिंगरी, परसदा, ओटेबंद, देवरी समेत 38 गांवों के घरेलू, कृषि और औद्योगिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। नया उपकेंद्र 33/11 केवी उपकेंद्र अंडा के समीप बनाया गया है।

पुलगांव-इरागुड़ा पर भार कम होगा

इस उपकेंद्र के शुरू होने से 132 केवी उपकेंद्र पुलगांव और इरागुड़ा का भार कम होगा। इससे दुर्ग शहर को भी अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल, केएस मनोटिया, मुख्य अभियंता अब्राहम वर्गीस, प्रसन्ना गोसावी, संजय तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश तिवारी, अधीक्षण अभियंता एसके भूआर्य, आरके मिश्रा, कार्यपालन अभियंता छगन शर्मा, डीके भारती, सिद्धार्थ भवसार समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के आरटीएस विभाग में कोक ओवन गैस रिसाव पर हुआ मॉक ड्रिल

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को जांचा और परखा, जीएम एसके गुप्ता ने किया नेतृत्व

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रोल टर्निंग शॉप (आरटीएस) विभाग में फोर्जिंग एवं ब्रेजिंग सेक्शन में संभावित कोक ओवन गैस रिसाव की आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास का उद्देश्य आपातकाल में कर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता परखना और विभागीय आपदा प्रबंधन तैयारियों को मजबूत करना था।

जीएम ने किया पर्यवेक्षण

मॉक ड्रिल में महाप्रबंधक (आरटीएस) एसके गुप्ता ने मुख्य नियंत्रक के रूप में संपूर्ण अभ्यास का नेतृत्व किया। अभ्यास के तहत कोक ओवन गैस रिसाव की काल्पनिक आपात स्थिति बनाई गई।

कर्मचारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने नियंत्रित परिस्थितियों में समन्वित बचाव व सुरक्षा उपायों का अभ्यास किया।

मॉक ड्रिल में अग्निशमन सेवा विभाग से अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय धवस, गैस सेफ्टी विभाग से विजय देवांगन, सीआईएसएफ से एस.के. पाण्डेय, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग से के.आर. साहू, सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी सुनील शुक्ला, मानव संसाधन (मिल्स जोन-2) से अनुराधा साहा, सिविल डिफेंस से स्वतंत्र कुमार समेत आरटीएस के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

ड्रिल के बाद समीक्षा बैठक हुई। इसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, विभागों के बीच समन्वय और सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई। प्रतिभागियों ने कार्यस्थल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी साझा किए। यह मॉक ड्रिल कार्यस्थल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के प्रति बीएसपी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पावर हाउस मार्केट में निगम की कार्रवाई, 26 व्यापारियों पर जुर्माना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई ने पावर हाउस जवाहर मार्केट में यातायात बाधित करने वाले दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देश पर सोमवार को निगम टीम ने दुकान के बाहर सामान फैलाकर व्यवसाय करने वाले 26 व्यापारियों से कुल 13,000 रुपये का जुर्माना वसूला।

लगातार मिल रही थी शिकायतें: निगम आयुक्त को बाजार में अव्यवस्था और यातायात जाम की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद निगम की टीम ने जवाहर मार्केट में अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों को सख्त हिदायत दी गई कि वे सामान दुकान की सीमा के भीतर ही रखें। नाली के बाहर या सड़क पर किसी भी तरह का सामान न फैलाएं।

नागरिकों की सुविधा के लिए निर्देश: निगम ने कहा कि जवाहर मार्केट शहर का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। बाजार में आने वाले नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए नाली छोड़कर ही दुकान लगाएं। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए सभी व्यापारी सहयोग करें और स्वेच्छा से सड़कों व नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखें। उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, सहायक उड़न दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता एवं राजस्व टीम सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल बोले- स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक रहा अविस्मरणीय योगदान

दुर्ग जिला कांग्रेस ने मनाई पंडित नेहरू की पुण्यतिथि, आधुनिक भारत के निर्माता को किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग द्वारा मंगलवार को राजीव भवन में देश के प्रथम प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल की उपस्थिति में कांग्रेसजनों ने पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि पंडित नेहरू स्वतंत्रता के पूर्व और पश्चात की भारतीय राजनीति के केंद्रीय व्यक्तित्व थे। महात्मा गांधी के संरक्षण में वे स्वतंत्रता आंदोलन के सर्वोच्च नेता के रूप में उभरे। 1947 में स्वतंत्र भारत की स्थापना से लेकर 1964 में निधन तक उन्होंने देश का नेतृत्व किया। वे आधुनिक भारतीय राष्ट्र-राज्य—एक सम्प्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणतंत्र—के वास्तुकार माने जाते हैं। कश्मीरी पंडित समुदाय से होने के कारण उन्हें पंडित नेहरू और बच्चों के बीच चाचा नेहरू के नाम से जाना जाता है। उनके आदर्शों और देश की आजादी में योगदान को आज भी स्मरण किया जाता है।

कार्यक्रम में अलताफ अहमद, देवीश्री साहू, प्रवक्ता नासिर खोखर, राहुल शर्मा, देव सिन्हा, अशोक मेहरा, सुमित घोष, अब्दुल वाहिद चौहान, ज्ञानू बागडे, दुष्यंत देवांगन, बृजलाल पटेल, आयुष शर्मा, रामरतन जलतारे, अजय मिश्रा, प्रीतम देशमुख, रत्ना नारमदेव, एनी पीटर, ईश्वर साहू, सुनीता देवांगन, रवि कोसरिया, रानी देवांगन, कन्या ढीमर, अली असगर, वेंकट सांई शास्त्री राव, बृजेन्द्र भारद्वाज सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे।

पर्यटन विभाग के सचिव भारतीदासन की समीक्षा बैठक में हैरिटेज और इको-टूरिज्म पर दिया विशेष जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास को नई गति और वैश्विक पहचान देने की दिशा में पर्यटन विभाग के नवनियुक्त सचिव एस. भारतीदासन ने मंगलवार को मंत्रालय के मंथन हॉल में विभागीय योजनाओं और परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। सचिव के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली विभागीय बैठक थी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य में संचालित पर्यटन परियोजनाओं, अधोसंरचना विकास, पर्यटन स्थलों के उन्नयन, पर्यटक सुविधाओं तथा प्रचार-प्रसार गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

पर्यटन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार- सचिव

बैठक में सचिव एस. भारतीदासन ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक आस्था स्थलों से समृद्ध राज्य है। पर्यटन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्थानीय रोजगार सृजन, संस्कृति के संरक्षण और ग्रामीण आर्थिक विकास का एक प्रभावी आधार है। इन विशेषताओं को योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में शामिल किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि वहां आने वाले पर्यटकों को एक सुरक्षित, सहज और यादगार अनुभव मिले। इसके लिए स्वच्छता, सुरक्षा, सुगम आवागमन, साइनेज, गाइड सुविधा, स्थानीय खान-पान और डिजिटल इनफॉर्मेशन जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद किया जाए।

बैठक में लिए गए प्रमुख नीतिगत निर्णय और भावी कायर्योजना

हैरिटेज टूरिज्म सर्किट और रॉयल एक्सपीरियंस- प्रदेश के ऐतिहासिक गढ़ों, महलों और पुरातात्विक स्थलों को पर्यटन के मुख्य आकर्षण के रूप में विकसित किया जाएगा। ऐतिहासिक स्थलों पर लाइट एंड साउंड शो, डिजिटल डिस्प्ले और पारंपरिक स्थापत्य कला का संरक्षण किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को रॉयल एक्सपीरियंस कराया जा सके।

डिजिटल ब्रांडिंग और फिल्म टूरिज्म पर फोकस

आधुनिक दौर की मांग के अनुरूप राज्य के पर्यटन स्थलों की पेशेवर फोटोग्राफी, डॉक्यूमेंट्री निर्माण और सोशल मीडिया कैंपेन चलाए जाएंगे। इसके लिए ट्रैवल ब्लॉगर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स की सहभागिता बढ़ाई जाएगी। छत्तीसगढ़ में फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए फिल्म शूटिंग को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोककला और जनजातीय परंपराओं को वैश्विक मंच मिल सके।

सामुदायिक सहभागिता आधारित इको-टूरिज्म

वन क्षेत्रों, जलप्रपातों और प्राकृतिक स्थलों में सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन मॉडल विकसित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं और महिला स्व-सहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित होगी, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प एवं पारंपरिक व्यंजनों को सीधा बाजार मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

समयबद्धता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

समीक्षा बैठक में पर्यटन स्थलों तक बेहतर सड़क संपर्क, वे-फाइंडिंग सिस्टम, आधुनिक पर्यटक सहायता केंद्रों के विकास और परिवहन व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सचिव ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न हो। योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर इसकी निरंतर और कड़ाई से मॉनिटरिंग की जाएगी। इस समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के सभी शाखा प्रमुख, तकनीकी विशेषज्ञ और विभागीय अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

खास खबर

मदिरा के अवैध परिवहन और बिक्री पर रोक लगाए : आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के वाणिज्यिक कर (आबकारी) मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज नवा रायपुर स्थित जीएसटी भवन स्थित आबकारी आयुक्त कार्यालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और आगामी महीनों के लिए जिलेवार विस्तृत कायर्योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आबकारी मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस रणनीति अपनाने, दुकानवार समीक्षा करने और अनुशासन के साथ कार्य संपादन के निर्देश दिए। बैठक में वाणिज्यिक कर आबकारी विभाग सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, आबकारी आयुक्त पदुम सिंह एल्मा, विशेष सचिव आबकारी देवेन्द्र भारद्वाज, आबकारी मुख्यालय, बेवरेजेस कारपोरेशन, मार्केटिंग कारपोरेशन के अधिकारियों सहित जिले से आए मैदानी अधिकारी उपस्थित थे।

आबकारी मंत्री श्री देवांगन ने राज्य की अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने और सीसीटीवी कैमरों के सुचारू संचालन की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि मदिरा के अवैध परिवहन एवं बिक्री पर कोचियों के विरूद्ध प्रभावी कार्य करें। सभी जिला अधिकारी यह सुनिश्चित करें आबकारी उपनिरीक्षक एवं नीचे का अमला अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरूद्ध समझौता न करें। इसके अलावा विभाग में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार मदिरा स्कंध (स्टाक) का संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया किया मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री न हो। उन्होंने अधिकारियों को मदिरा दुकानों में नियम और अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। दुकानों में उपलब्ध मदिरा को नियमानुसार दरों सहित रैकों में प्रदर्शित करने कहा गया, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा मिल सके।

मंत्री ने बैठक में राजस्व लक्ष्य की जिलेवार समीक्षा करते हुए जिन जिलों ने अब तक लक्ष्य की प्राप्ति की है, उन्हें सतत कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों को इसके कारणों की दुकानवार समीक्षा कर कमी की पूर्ति हेतु विस्तृत कार्य-योजना बनाकर तत्परता से अमल में लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को इस बात की स्पष्ट हिदायत दी कि मदिरा में किसी प्रकार की मिलावट न होने पाए। इसके लिए सभी जिला अधिकारियों को समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण करने और वहां पाई गई अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई और दोषी कर्मचारियों को तत्काल कायर्मुक्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, दुकानों में पेटीएम या अन्य कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए।

आबकारी सचिव श्रीमती कंगाले ने प्रदेश में संचालित बारों, क्लबों, होटलों और ढाबों की आकस्मिक जांच करने तथा समय पश्चात संचालन अथवा अवैध मदिरा विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध मदिरा एवं अन्य मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, तस्करी और विक्रय पर सख्त नियंत्रण रखने हेतु आवश्यकता पड़ने पर पुलिस विभाग से सहयोग लेने के निर्देश दिए गए।

कौशल निर्माण और करियर का शानदार संगम

रायपुर। होटल मैनेजमेंट, फूड स्टार्टअप, बेकरी या होम किचन बिजनेस में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, नया रायपुर द्वारा 8 जून से 16 जून 2026 तक समर कलिनरी बूटकैंप-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों, फूड एंथूजियास्ट्स, होम शेफ्स और उभरते हुए शेफ्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बूटकैंप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक पाक कला और बेवरेज क्राफ्टिंग की व्यावहारिक समझ देना है। सभी सत्र अनुभवी हॉस्पिटैलिटी विशेषज्ञों और प्रोफेशनल शेफ्स के मार्गदर्शन में 100 प्रतिशत प्रैक्टिकल आधारित होंगे। कोर्स पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

जिला पंचायतों को भी मिलेगा गौण खनिज निधि का हिस्सा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा का हुआ पालन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए जिला पंचायतों को भी गौण खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी राजस्व राशि में हिस्सा देने का आदेश जारी कर दिया है। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जिला पंचायतों को भी गौण खनिज निधि का हिस्सा दिए जाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने मंच से ही इस मांग को स्वीकार करते हुए घोषणा की थी, जिसका अब राज्य शासन द्वारा पालन कर दिया गया है।

खनिज साधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार गौण खनिजों से प्राप्त कुल राजस्व का 33 प्रतिशत हिस्सा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को पूर्ववत दिया जाएगा, जबकि शेष 67 प्रतिशत राशि का वितरण ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के बीच निर्धारित स्लैब के अनुसार किया जाएगा। जारी आदेश के तहत 7.50 लाख रुपये तक की राशि पूरी तरह ग्राम पंचायत को मिलेगी। 7.50 लाख से 10 लाख रुपये तक की राशि में 80 प्रतिशत ग्राम पंचायत, 10 प्रतिशत जनपद पंचायत और 10 प्रतिशत जिला पंचायत को दिया जाएगा। 10 लाख से 25 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 70 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 15-15 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। इसी तरह 25 लाख से 50 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 60 प्रतिशत और जनपद व जिला पंचायत को 20-20 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। 50 लाख रुपये से अधिक की राशि में ग्राम पंचायत को 50 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 25-25 प्रतिशत राशि मिलेगी।

राज्य शासन ने निधि के उपयोग के दायरे का भी विस्तार किया है। अब इस राशि का उपयोग स्कूलों और अस्पतालों में रनिंग वाटर सुविधा, सामुदायिक शौचालय, मुक्तिधाम निर्माण, पहुंच मार्ग तथा वाचनालय निर्माण जैसे कार्यों में किया जा सकेगा। जिला पंचायतों को मिलने वाली राशि का उपयोग उन क्षेत्रों के विकास कार्यों में किया जाएगा जहां खनन गतिविधियों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और गांवों में विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायतों को गौण खनिज निधि में हिस्सेदारी मिलने से स्थानीय विकास योजनाओं को मजबूती मिलेगी और त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। मुख्यमंत्री की घोषणा का पालन होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर श्री नवीन कुमार अग्रवाल सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता जताई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से पंचायतों के कामकाज और संचालन व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

भीषण गर्मी में सतकर्ता और संवेदनशीलता बरतें, जरूरतमंदों का सहारा बनें - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सहित देश के अनेक हिस्सों में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रदेशवासियों से सतकर्ता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ इस चुनौतीपूर्ण समय का सामना करने की अपील की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि अत्यधिक गर्मी के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से पर्याप्त पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने तथा अनावश्यक रूप से तेज धूप में जाने से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि छोटी-सी सावधानी स्वयं और परिवार को सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि संभव हो तो घर, दुकान, कार्यालय अथवा सार्वजनिक स्थानों के आसपास राहगीरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था अवश्य की जाए, क्योंकि संवेदना का यह छोटा प्रयास किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए राहत और संबल बन सकता है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिक साथियों तथा खुले में कार्य करने वाले लोगों का ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति की तबीयत अचानक बिगड़ती दिखाई दे, तो उसे तुरंत छायादार या ठंडी जगह पर ले जाकर पानी, ओआरएस अथवा अन्य तरल पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि घर, आंगन, छत, दुकान अथवा आसपास पानी का एक छोटा पात्र रखने जैसी छोटी पहल इस भीषण गर्मी में किसी जीव के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है।

खरीफ सीजन से पहले प्रशासन का बड़ा एक्शन, 1150 बोरी अवैध यूरिया जब्त, गोदाम सील

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खरीफ सीजन की तैयारी के बीच छत्तीसगढ़ में उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर कार्रवाई करते हुए बलरामपुर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई में 1150 बोरी अवैध यूरिया जब्त कर गोदाम सील कर दिया है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिलेभर में उर्वरकों के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने विकासखंड बलरामपुर के ग्राम जरहाडीह स्थित आदर्श सेवा कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान गोदाम में लगभग 1150 बोरी यूरिया अवैध रूप से भंडारित पाई गई। संबंधित संचालक से उर्वरक भंडारण संबंधी वैध दस्तावेज, अनुमति एवं लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन संतोषजनक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके। प्राथमिक जांच में अनियमितता पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोदाम को सील कर दिया।

जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को किसानों के हितों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि खरीफ सीजन में किसानों को खाद-बीज की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा और जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन पर शासन-प्रशासन सख्त : केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता की कार्रवाई में 4 हाईवा जब्त

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कड़े और स्पष्ट निर्देशों तथा राज्य शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज विभाग का मैदानी अमला लगातार सक्रियता के साथ कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में 27 मई को केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने जिला रायपुर, महासमुंद एवं गरियाबंद क्षेत्र अंतर्गत सघन निरीक्षण अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान रायपुर जिले के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिरदा एवं घिवरा में गौण निम्न श्रेणी चूनापत्थर से भरे 01 हाईवा तथा रेत के 03 हाईवा को वैध अभिवहन पास एवं अनुमति के बिना खनिज परिवहन करते पाए जाने पर अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया।

धान की खेती के विकल्प के रूप में औषधीय पौधों की खेती अपनाने किसानों को किया प्रेरित

बोर्ड किसानों की उपज की शत-प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित कर संचालित कर रहा देश की उत्कृष्ट योजना-अंजय शुक्ला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर के परिसर में आयोजित दो दिवसीय कायर्शाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला के दूसरे दिन धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें अभनपुर विकासखंड के जनप्रतिनिधियों, धान खरीदी समिति के सदस्यों, महिला स्व-सहायता समूहों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में औषधीय पौधों की खेती के सलाहकार एवं सेवानिवृत्त वनमंडलाधिकारी डीकेएस चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कृषकों को ब्राह्मी, वच, सतावर, लेमनग्रास और खस जैसे उच्च मूल्य वाले औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा इच्छुक किसानों को औषधीय पौधों के निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं, समय-समय पर तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है तथा सफल कृषकों के खेतों का अध्ययन भ्रमण भी कराया जाता है ताकि किसान व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।

उपज खरीदी की पुख्ता व्यवस्था, किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम

समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने कहा कि पारंपरिक धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती अपनाना किसानों की आय को कई गुना बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन और वैज्ञानिक विकल्प है।

हमारा बोर्ड केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुबंधित संस्थाओं के माध्यम से किसानों की पूरी उपज की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की सुनिश्चित व्यवस्था भी करता है। यह देश की सबसे प्रभावी और भरोसेमंद योजनाओं में से एक है। उन्होंने उपस्थित सभी त्रिस्तरीय पंचायती राज जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के ग्रामीण किसानों को औषधीय खेती अपनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करें।

पौधों का नि :शुल्क वितरण

कार्यशाला के सभी संभागियों और कृषकों को प्रायोगिक तौर पर रोपण हेतु भस्मपत्ती, कपूर कचरी और हठजोड़ के औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर तकनीकी विशेषज्ञ डी.के.एस. चौहान, सुश्री प्रगति पटेल, अभनपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष खेलूराम साहू, स्वयं सहायता समूह, अशासकीय संगठन के प्रतिनिधि सहित वनांचल एवं ग्रामीण अंचलों से आए बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नारायणपुर को मिली विकास की बड़ी सौगात : अरुण साव ने विकास कार्यो का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नारायणपुर प्रवास के दौरान जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। उन्होंने एजी सिनेमा हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 12 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने नगर पालिका नारायणपुर के विकास के लिए 5 करोड़ रूपए देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे।

नारायणपुर को विकसित, खुशहाल और समृद्ध बनाने का संकल्प

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार नारायणपुर जिले को विकसित, खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं ने शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से मलखंभ जैसे कठिन खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं की उन्होंने सराहना की। यह कार्यक्रम नारायणपुर जिले के विकास, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

युवाओं की प्रतिभा को मिला सम्मान

श्री साव ने नेशनल स्कूल ड्रामा, नई दिल्ली की प्रस्तुति चंदा के चकोर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जिले की प्रतिभा को राष्ट्रीय पहचान दिला रही हैं। उन्होंने जिले में आयोजित पांच दिवसीय करियर गाइडेंस कार्यक्रम को युवाओं के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे युवाओं को रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर मिलेंगे।

जिले के विकास के लिए 307 करोड़ रूपए की स्वीकृति

श्री साव ने बताया कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद नारायणपुर जिले के विकास कार्यों के लिए 307 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 32 करोड़ रूपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में नारायणपुर को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मॉडल नगर के रूप में विकसित होगा नारायणपुर

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नारायणपुर को एक विकसित और आधुनिक नगर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय क्षेत्र में 120 करोड़ रूपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 23 करोड़ रूपए की लागत से लाइब्रेरी भवन का भूमिपूजन किया गया है।

विद्यार्थियों व शिक्षकों का सम्मान

कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग द्वारा पांच किसानों को किसान समृद्धि योजना अंतर्गत बोर खनन एवं पंप स्थापना के लिए 1.99 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान की गई। उद्यानिकी विभाग द्वारा दो किसानों को बागवानी विकास हेतु 3.85 लाख रूपए के चेक प्रदान किए गए।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा०प्र०के०/202605101000036/अ -6.अ/वर्ष 2025-26)

इस न्यायालय का रा.प्र.कें. 202605101000036/अ-6 (अ) वर्ष 2025-26 आवेदिका/आवेदक-आवेदिका श्रीमती समीमा बेगम पति नूर आलम की ओर से उसके पूत्री नूर शब्बा खातून पिता नूर आलम अंसारी निवासी-दुर्गा मंदिर, वार्ड नं. 35, गांधी चौक, भिलाई तह. व जिला दुर्ग ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46, रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 526/2 का टु. रकबा 0.012/1320.42 वर्गफीट भूमि को विक्रेता देवलाल साहू पिता अमर सिंह के तरफ से आ.मु. भगवानदास साहू से क्रय किया गया है। नामांतरण पश्चात निर्मित खसरा नं. 526/10 रकबा 0.012 हे. अनुसार ऋण पुस्तिका में आवेदिका की माता का नाम दर्ज है। किन्तु वर्तमान अभिलेख में भूमिस्वामी श्रीमती समीमा बेगम पति नूर आलम का नाम प्रदर्शित हो रहा है, जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त संबंध में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/05/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

क्या कांग्रेस में संतों के खिलाफ बोलने की होड़ लगी है

किसी देश या राज्य में संतों का आगमन तो शुभ माना जाता है ।कहा जाता है कि राज्य के लोगों को सौभाग्य है जो यहां संत महात्मा आते हैं । हर राज्य में जब संत महात्मा आते हैं तो लोगों को उनके प्रवचन से लाभ होता है । वह जानते समझते हैं कि इस जीवन में अच्छा व बुरा क्या है । कोई भी संत महात्मा आता है तो वह लोगों में शुभ विचार पैदा करता है । लोगों को बताता है कि शुभ विचार से ही शुभ कर्म होते है और शुभ कर्म का फल शुभ ही होता है । संत महात्मा के आने से लोग छत्तीसगढ़ में उनका भक्तिभाव से स्वागत करते रहे हैं । पिछले कुछ महीनों में यह भी देखने को मिला है कि संत महात्मा कोई आता है तो कांग्रेस का कोई न कोई दिग्गज नेता शुभ-शुभ नहीं बोलता है । इससे स्वाभाविक रूप से ऐसा लगता है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं में संत महात्मा के खिलाफ बोलने की होड़ तो नही लगी है । एक संत महात्मा आएगा तो एक कांग्रेस नेता बुरा बुरा बोलेगा, दूसरा संत महात्मा आएगा तो दूसरा कांग्रेस नेता बुरा बुरा बोलेगा ।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य इन दिनों चिरमिरी में आयोजित रामकथा कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं । उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया जिससे कांग्रेस नेता को बुरा लगे । इसके बाद भी नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणदास महंत का यह बयान राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है कि स्वामी रामभद्राचार्य भाजपा के प्रचारक हैं और वह भाजपा का प्रचार करने आए हैं । ऐसे लोगों को न मैं जगद्गुरु मानता हैं और न गांव का गुरु मानता हूं । मैं उनसे आशीर्वाद लेने भी नहीं जाऊंगा ।ड़ॉ महंत रामभद्राचार्य को भाजपा का प्रचारक मानते हैं,उनको जगद्गुरु नहीं मानते हैं, वह आशीर्वाद नहीं लेना चाहते है तो न माने,चुप रहते तो क्या हो जाता । उनके इलाके में कोई संत महात्मा आया है और सनातनी है तो उनके खिलाफ बोलना डॉ.महंत के लिए जरूरी था क्योंकि कांग्रेस में माना जाता है कि आलाकमान उस नेता से खुश होता है जो भाजपा,सनातनी संत महात्मा के खिलाफ बोलते हैं ।

कांग्रेस में खांटी कांग्रेसी तो वही माना जाता है तो भाजपा,पीएम मोदी, आरएसएस व सनातनी संत महात्माओं को बुरा-बुरा कहता है । खासकर तब जब कोई सनातनी संत महात्मा उसके राजनीतिक प्रभाव वाले क्षेत्र में आए । इस बार संत महात्मा डॉ. महंत के इलाके में आए इसलिए इस बार संत महात्मा के खिलाफ बोलने की उनकी पारी थी । वह ऐसा नहीं करते तो दिल्ली तक खबर पहुंच जाती कि डॉ.महंत के इलाके में सनातनी संत महात्मा आए थे जो भाजपा समर्थक हैं और डॉ. महंत ने कुछ नहीं कहा । ज्ञात हो कि इसी साल अप्रैल में धीरेंद्र शास्त्री भिलाई यानी पूर्व सीएम भूपेश बघेल के इलाके में आए थे तो भूपेश बघेल ने कहा था कि बाबा बागेश्वर ढोंगी है, भाजपा के एजेंट हैं, वह छत्तीसगढ़ पैसा बटोरने आते हैं । बाबा बागेश्वर की आलोचना कर भूपेश बघेल ने अपने को खांटी कांग्रेस नेता साबित किया था तो अब जब संत महात्मा डॉ. महंत के इलाके में आए तो खुद को खांटी कांग्रेस नेता साबित करने की बारी उनकी थी और उन्होंने ऐसा साबित किया है ।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य सनातन के पक्षधर हैं, सनातन के बारे में बोलते रहते हैं । डॉ.महंत के बयान पर उन्होंने कहा है कि किसी को उनके जगद्गुरु होने पर शक है तो मंच पर आकर परीक्षण कर सकता है । छत्तीसगढ़ में संत महात्मा की आलोचना करने पर भाजपा के नेता पहले भी कांग्रेस नेताओं की तीखी आलोचना की थी और इस बार भी डॉ.महंत की तीखी आलोचना की है । भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संतोष पांडेय ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष का बयान सनातन विरोधी और मानसिक दिवालियापन से भरा है । देश के संतों को फर्जी कहना,उन्हें बाबा कह कर अपमान करना बेहद निदंनीय है । प्रदेश की जनता संतों का अपमान सहन नहीं करेगी । भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी व उनके नेता विधर्मी हैं । सीएम के सलाहकार पंकज झा ने कहा है कि कांग्रेस में अब कोई अच्छा आदमी नहीं बचा है क्योंकि कांग्रेस में बने रहने की शर्त यहीहै कि आपको बुरा दिखना चाहिए । सनातन विरोधी दिखना चाहिए ।

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के दौर में, भारत क्यों बना हुआ है मजबूत?

महेन्द्र तिवारी

दुनिया इस समय आर्थिक अनिश्चितता के ऐसे दौर से गुजर रही है जिसमें युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, व्यापारिक अस्थिरता और राजनीतिक तनाव एक साथ वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं । पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चिंता में डाल दिया है । तेल और गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है । समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट गहराता जा रहा है । उत्पादन लागत बढ़ रही है और इसका प्रभाव गरीब तथा विकासशील देशों पर सबसे अधिक दिखाई दे रहा है । ऐसे समय में विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि यदि यह संकट लंबा चला तो वैश्विक विकास दर में भारी गिरावट आ सकती है । इसके बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल माना जा रहा है ।

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2026 में ऊर्जा कीमतों में लगभग 24 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है । यह वृद्धि केवल सामान्य बाजार कारणों से नहीं बल्कि युद्ध और आपूर्ति संकट से जुड़ी हुई है । होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के समुद्री कच्चे तेल व्यापार का लगभग 35 प्रतिशत गुजरता है । इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से ऊपर गई हैं । रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि संघर्ष और लंबा खिंचता है तो

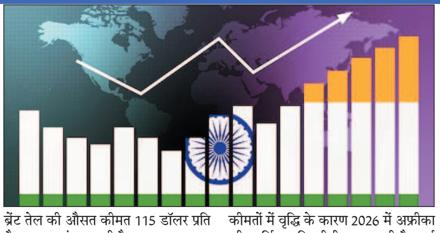

ब्रेंट तेल की औसत कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है ।

ऊर्जा संकट का असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता । इससे परिवहन महंगा होता है, उद्योगों की लागत बढ़ती है और खाद्य पदार्थों की कीमतें भी ऊपर चली जाती हैं । विश्व बैंक के अनुसार उर्वरकों की कीमतों में 31 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है । यूरिया की कीमतों में लगभग 60 प्रतिशत उछाल का अनुमान व्यक्त किया गया है । इससे कृषि उत्पादन प्रभावित होगा और दुनिया में खाद्य संकट गहरा सकता है । विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो लगभग 45 मिलियन अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा की स्थिति में पहुंच सकते हैं । यूरोप की स्थिति भी चिंता पैदा कर रही है । यूरोपीय आयोग ने अनुमान लगाया है कि 2026 में यूरो क्षेत्र की विकास दर घटकर लगभग 0.9 प्रतिशत रह सकती है । बढ़ती महंगाई के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना है । इससे उद्योगों में निवेश कम होगा और उपभोक्ता खर्च भी प्रभावित होगा । यूरोप पहले ही ऊर्जा आयात पर काफी निर्भर रहा है और पश्चिम एशिया संकट ने उसकी कठिनाइयों को और बढ़ा दिया है । अफ्रीका के कई देशों में भी हालात चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं । अफ्रीकी विकास बैंक ने कहा है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण 2026 में अफ्रीका की आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ सकती है । कई गरीब देशों पर पहले से भारी कर्ज है और अब बढ़ती महंगाई ने उनकी वित्तीय स्थिति को और कमजोर कर दिया है ।

इन वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत मानी जा रही है । विश्व बैंक ने भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है । यह दर दुनिया की अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से कहीं अधिक है । भारत की मजबूती का सबसे बड़ा कारण उसकी घरेलू मांग है । देश की बड़ी आबादी, बढ़ता मध्यम वर्ग और सेवा क्षेत्र की तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहे हैं । भारत में पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान, आधारभूत संरचना और विनिर्माण क्षेत्र में तेज निवेश हुआ है । सरकार ने सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के विकास पर बड़े स्तर पर खर्च किया है । इससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं और आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है । दूसरी ओर सेवा क्षेत्र, विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी और वित्तीय सेवाएं, विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं ।

हालांकि भारत पूरी तरह सुरक्षित नहीं है । भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है । यदि तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो इसका सीधा असर भारत के आयात बिल पर पड़ेगा । इससे व्यापार घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव आ सकता है । महंगाई बढ़ने पर आम जनता की क्रय शक्ति प्रभावित होगी । परिवहन महंगा होने से खाद्य पदार्थों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ेंगी । भारतीय रिजर्व बैंक के सामने भी कठिन चुनौती होगी । यदि महंगाई बढ़ती है तो ब्याज दरें ऊंची रखनी पड़ सकती हैं । इससे उद्योगों को महंगा कर्ज मिलेगा और निवेश की गति धीमी हो सकती है । दूसरी ओर यदि ब्याज दरें कम रखी जाती हैं तो महंगाई नियंत्रण से बाहर जा सकती है । इसलिए संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा ।

विश्व बैंक ने यह भी कहा है कि दक्षिण एशिया की विकास दर 2026 में घटकर लगभग 6.3 प्रतिशत रह सकती है । इसका कारण यह है कि दक्षिण एशियाई देश ऊर्जा आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं । तेल की कीमतें बढ़ने से इन देशों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी । भारत ने इस चुनौती से निपटने के लिए ऊर्जा स्रोतों में विविधता बढ़ाने की दिशा में काम तेज किया है । सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं पर तेजी से निवेश हो रहा है । सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में आयातित तेल पर निर्भरता कम की जाए । इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है ।

वैश्विक व्यापार पर भी इस संकट का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है । समुद्री मार्गों में व्यवधान के कारण माल ढुलाई महंगी हो गई है । बीमा लागत बढ़ गई है । इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की रफ्तार धीमी पड़ रही है । कई कंपनियां अब अपने उत्पादन केंद्रों को एक ही क्षेत्र में रखने के बजाय अलग अलग देशों में बांटने की रणनीति अपना रही हैं । भारत इस स्थिति का लाभ उठा सकता है क्योंकि अनेक विदेशी कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर देख रही हैं । दुनिया के कई देशों में शेयर बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है । निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं । सोने की कीमतों में वृद्धि इसका संकेत है । अनिश्चितता के दौर में पूंजी बाजारों में उतार चढ़ाव बढ़ना सामान्य माना जाता है । लेकिन लगातार अस्थिरता निवेश और रोजगार दोनों को प्रभावित करती है ।

विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने चेतावनी दी है कि यदि पश्चिम एशिया संकट लंबा चला तो वैश्विक विकास दर में भारी गिरावट आ सकती है । इसका असर केवल तेल आयातक देशों पर ही नहीं बल्कि निर्यातक देशों पर भी पड़ेगा । उत्पादन कम होगा, उपभोग घटेगा और वैश्विक मांग कमजोर पड़ जाएगी । इन परिस्थितियों में भारत के सामने अवसर और चुनौती दोनों मौजूद हैं । एक ओर दुनिया भारत को स्थिर और भरोसेमंद अर्थव्यवस्था के रूप में देख रही है, दूसरी ओर ऊर्जा आयात पर निर्भरता और महंगाई का दबाव चिंता का विषय है । यदि भारत घरेलू उत्पादन बढ़ाने, ऊर्जा आत्मनिर्भरता मजबूत करने और निर्यात क्षमता सुधारने में सफल होता है तो वह इस संकट के बीच भी मजबूत स्थिति बनाए रख सकता है ।

यह समय केवल आर्थिक आंकड़ों का नहीं बल्कि नीतिगत दूरदर्शिता का भी है । दुनिया जिस अस्थिरता से गुजर रही है उसमें वे देश आगे निकलेंगे जो ऊर्जा, तकनीक, उत्पादन और मानव संसाधन के क्षेत्र में दीर्घकालिक रणनीति अपनाएंगे । भारत के पास जनसंख्या, बाजार और तकनीकी क्षमता जैसी बड़ी ताकतें हैं । यदि इनका सही उपयोग किया गया तो वैश्विक संकट के बीच भी भारत आर्थिक स्थिरता और विकास का नया उदाहरण बन सकता है ।

योग, संगठन और संस्कारों की जीवंत प्रतिमूर्ति थे रूपनारायण सिन्हा

आचार्य डॉ. अजय आर्य

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का 26मई 2026 को बिलासपुर में आकस्मिक निधन हो गया । उनके निधन का समाचार पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत दु:खद और स्तब्ध कर देने वाला रहा । वे सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना से जुड़े ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने जीवन को संगठन, सेवा, योग और समाज जागरण के लिए समर्पित कर दिया था । उनके निधन से छत्तीसगढ़ के सामाजिक जीवन, योग जगत तथा विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों को अपूरणीय क्षति पहुंची है ।

रूपनारायण सिन्हा को छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था । उन्होंने लंबे समय तक समाज और संगठन के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य किया । कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता, सादगीपूर्ण जीवनशैली और अनुशासित कार्यशैली उन्हें विशिष्ट बनाती थी । वे उन व्यक्तित्वों में थे, जो पद से नहीं बल्कि अपने व्यवहार और समर्पण से लोगों के दिलों में स्थान बनाते हैं ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित और समाज जागरण को समर्पित कर दिया था । संघ के संस्कार उनके व्यक्तित्व में सहज रूप से दिखाई देते थे । वे सदैव सेवा, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देते थे । उनका जीवन अत्यंत सरल और संयमित था । वे मानते थे कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं के

सरलता, सेवा और सामाजिक समरसता के साधक

मनोबल और संस्कारों से निर्मित होती है । छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष के रूप में रूपनारायण सिन्हा ने राज्य में योग के प्रचार-प्रसार को नई दिशा प्रदान की । उन्होंने विशेष रूप से बस्तर, बीजापुर और अन्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में योग को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया । उनके प्रयासों से युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण समुदायों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ी । वे योग को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, आध्यात्मिक उन्नति और स्वस्थ जीवनशैली का आधार मानते थे ।

आर्य समाज, पतंजलि योग समिति तथा विभिन्न सामाजिक एवं आध्यात्मिक मंचों के कार्यक्रमों में भी उनका सक्रिय एवं आत्मीय जुड़ाव रहा । अनेक अवसरों पर उनसे मिलने और उनके साथ मंच साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ । वे अत्यंत मिलनसार, सहज और विनम्र व्यक्तित्व के धनी थे । बड़े से बड़े कार्यक्रमों में भी उनका व्यवहार अत्यंत सरल और आत्मीय बना रहता था । आर्य महासम्मेलन तथा अन्य आध्यात्मिक आयोजनों में वे अत्यंत विनम्रतापूर्वक सभी का अभिवादन करते थे । उनके व्यक्तित्व में पद का अहंकार नहीं, बल्कि सेवा और संस्कारों की झलक दिखाई देती थी । उनके साथ कुछ क्षण बिताकर ही उनकी सरलता, सौम्यता और आत्मीयता का अनुभव किया जा सकता था ।

जब-जब उनसे संवाद हुआ, तब-तब उन्होंने समाज को जातिवाद और संकीर्णताओं से ऊपर उठाकर सनातन समाज को संगठित करने की आवश्यकता पर बल दिया । वे महर्षि दयानंद सरस्वती के समाज सुधार संबंधी विचारों का सम्मान करते थे और मानते थे कि भारतीय समाज की शक्ति उसकी एकता, वैदिक चेतना और सांस्कृतिक जागरूकता में निहित है । वे कहा करते थे कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने हिंदू समाज को जागृत और संगठित करने का महान प्रयास किया था तथा वतर्मान समय में भी समाज को उसी दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है ।

पतंजलि योग समिति के प्रति भी उनके मन में विशेष सम्मान था । उनका मानना था कि योग भारतीय ऋषि-मुनियों की विश्व को अमूल्य देन है । योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मिक अनुशासन, मानसिक शुद्धि और सामाजिक चेतना का माध्यम भी है । वे कहा करते थे कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकता है । योग के माध्यम से समाज और विश्व की सेवा की जा सकती है ।

रूपनारायण सिन्हा योग को संगठन, संस्कार और राष्ट्रीय पुनर्जागरण से जोड़कर देखते थे । वे चाहते थे कि योग केवल व्यायाम तक सीमित न रहे, बल्कि वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन और सांस्कृतिक चेतना का माध्यम बने । उनका विश्वास था कि योग भारतीय संस्कृति की आत्मा है तथा सनातन परंपरा में उसका विशेष महत्व है । वे शिव को ह्यआदि योगीह्व के रूप में स्मरण करते हुए कहा करते थे कि भारतीय संस्कृति में योग केवल साधना नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का विज्ञान है ।

वे समाज के हर वर्ग से जुड़े हुए व्यक्ति थे । कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, योग साधकों, सामाजिक संगठनों तथा युवा पीढ़ी के बीच उनकी विशेष लोकप्रियता थी । वे सदैव लोगों को भारतीय संस्कृति, योग, राष्ट्रसेवा और सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करते थे । उनका मानना था कि स्वस्थ समाज का निर्माण केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और आध्यात्मिक चेतना से संभव है ।

26 मई 2026 को बिलासपुर के तिफरा में आयोजित एक प्रशिक्षण शिविर के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई । उन्हें तत्काल बिलासपुर के सिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनका निधन हृदय गति रुकने (कार्डियक अरेस्ट) के कारण हुआ । उनके निधन का समाचार फैलते ही पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई । उनके निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया । सभी ने उनके सरल व्यक्तित्व, सेवाभावी जीवन और समाज के प्रति समर्पण को स्मरण किया ।

रूपनारायण सिन्हा अपने पीछे सेवा, संगठन, सादगी और संस्कारों की ऐसी अमूल्य विरासत छोड़ गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी । उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि विनम्रता, समर्पण और समाजसेवा के माध्यम से स्थायी पहचान बनाई जा सकती है । वे भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, किंतु उनके विचार, उनका कार्य और उनकी आत्मीय स्मृतियां सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगी । मैं रूपनारायण सिन्हा जी को छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा, अध्यात्म पथ, आर्य समाज एवं गुरुकुल परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

(लेखक गैर राजनीतिक, समाजसेवी, विचारक चिंतक एवं आर्य समाज के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान हैं ।)

ऊर्जा की नई किरण भारत-ओमान समुद्री पाइपलाइन

प्रमोद जोशी

मिडिल-ईस्ट-इंडिया डीप-वाटर पाइपलाइन अरब सागर के नीचे लगभग 2,000 किलोमीटर तक लंबी होगी, जो ओमान को भारत के गुजरात तट से जोड़ेगी । इस परियोजना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से गैस आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी । होर्मुज जलसंधि का रास्ता बंद होने और भारत में ऊर्जा-संकट के बादल गहराने से जुड़ी खबरों के बीच एक खबर को ज्यादा सुर्खियां नहीं मिल पाईं कि भारत, गहरे समुद्र में एक गैस पाइपलाइन परियोजना पर विचार कर रहा है, जो हमें ओमान से जोड़ेगी । भारत सरकार ने अब इस पर तेजी से काम करना शुरू किया है ।

हाल में कुछ मीडिया स्रोतों ने पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारियों को उद्धृत करते हुए खबर दी है कि मंजूरी मिली, तो करीब 4.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली परियोजना खाड़ी क्षेत्र से निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करेगी । परियोजना को समय से हरी झंडी मिली, तब भी इसे पूरा होने में पांच से सात साल लगेंगे । उसके पहले इसके सभी आर्थिक और तकनीकी पहलुओं पर विचार करना भी जरूरी होगा ।

सौ साल से ज्यादा समय से इसकी परिकल्पना चल रही है । इस पर यूपीए सरकार के दौर में भी बात चली थी । ओमान की वेबसाइट मस्कट डेली की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार नई दिल्ली स्थित निजी क्षेत्र के कंसोर्शियम साउथ एशिया गैस एंटरप्राइज (सेज) द्वारा प्रस्तुत पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन पर विचार कर रही है, जो समुद्र तल की स्थितियों का अध्ययन करने के लिए ह्यटेस्ट-सेक्शन बिछा रहा है ।

सेज ने प्रस्तावित मार्ग पर लगभग 3,000 मीटर परीक्षण पाइपलाइन बिछाकर प्रारंभिक

चरण का तकनीकी सत्यापन कर लिया है, जिस पर लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत आई है । यह पाइपलाइन इंजीनियरों के लिए चुनौती भी होगी, क्योंकि कुछ जगहों पर यह करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक की गहराई पर बिछानी पड़ेगी, जो अब तक समुद्र के नीचे बिछाई गई दुनिया की किसी भी पाइपलाइन की तुलना में चार गुना अधिक गहरी होगी ।

इस अध्ययन का उद्देश्य समुद्र तल की स्थितियों का आकलन करना और इंजीनियरिंग संभावनाओं की पुष्टि करना है । संभावना है कि भारत का पेट्रोलियम मंत्रालय, सरकारी कंपनियों गेल, इंजीनियर्स इंडिया और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश देगा । रिपोर्ट सकारात्मक हुई, तो ओमान के साथ गैस आपूर्ति, वित्तपोषण और परियोजना कार्यान्वयन पर औपचारिक बातचीत का रास्ता खुलेगा ।

पश्चिम एशिया से भारत तक समर्पित पाइपलाइन बनी, तो हम किसी ट्रांज़िट देश या समुद्री अवरोध बिंदु पर निर्भर नहीं रहेंगे और किफायती लागत पर गैस की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी । मिडिल-ईस्ट-इंडिया डीप-वाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) अरब सागर के नीचे लगभग 2,000 किलोमीटर तक लंबी होगी, जो ओमान को भारत के गुजरात तट से जोड़ेगी । इस परियोजना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से गैस आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी ।

वर्ष 2025 में भारत के एलएनजी आयात का लगभग दो-तिहाई हिस्सा होर्मुज जलसंधि से होकर गुजरा था । इस साल फरवरी के अंत में होर्मुज संकट शुरू होने के बाद, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जिससे कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई । इस गिरावट के कारण भारत के उर्वरक संयंत्रों, बिजलीघरों और उद्योगों की आपूर्ति में अचानक लगे झटकों ने चिंता पैदा की है । खनिज तेल की ऊंची कीमतों ने आयात लागत को पहले ही बढ़ा दिया है ।

इस पृष्ठभूमि में, टैंकरों पर निर्भरता को कम करने और प्राकृतिक गैस का स्थिर प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए दशकों पुरानी इस परियोजना को पुनर्जीवित किया जा सकता है । इस परियोजना से प्रतिदिन लगभग 31 मिलियन मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होने की उम्मीद है । वतर्मान राष्ट्रीय गैस खपत लगभग 190 से 195 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन है, जो औद्योगिक और शहरी गैस नेटवर्क के विस्तार और उर्वरक क्षेत्र की मांग में वृद्धि पर भी निर्भर है । 2030 तक, यह मांग 290 से 300 मिलियन वर्ग मीटर प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है ।

भारत को खाड़ी देशों से जोड़ने वाली समुद्री पाइपलाइन की अवधारणा नई नहीं है । 1990 के दशक से इस प्रस्ताव के विभिन्न रूप समय-समय पर सामने आते रहे हैं, लेकिन द्विपक्षीय वार्ता की जटिलता, वित्तपोषण की अनिश्चितता और अपर्याप्त राजनीतिक उत्साह के कारण वे ठंडे बस्ते में चले गए । बहरहाल इसबार की पहल तीन कारणों से उत्साहवर्धक है । एक, समुद्र में पाइप बिछाने की तकनीक में काफी प्रगति हुई है । पर्याप्त भू-राजनीतिक झटकों की वजह से राजनीतिक इच्छाशक्ति पैदा हो गई है, और तीसरे, सरकारी संस्थाओं को काम के औपचारिक निर्देश मिले हैं । यह परियोजना अब केवल सैद्धांतिक मनोकामना नहीं है, बल्कि सक्रिय इंजीनियरिंग और डिप्लोमैटिक प्रयास है ।

इस पाइपलाइन की संरचना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से प्राकृतिक गैस प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है । इन देशों के पास सामूहिक रूप से लगभग 2,500 ट्रिलियन घन फुट प्राकृतिक गैस का भंडार है । कतर के पास लगभग 868 ट्रिलियन घन फुट और ईरान के पास लगभग 1,649 ट्रिलियन घन फुट का भंडार है । भारत की ऊर्जा सुरक्षा की तुलना चीन से करें, तो पाएंगे कि चीन ने अपनी भौगोलिक स्थिति का लाभ समय रहते उठा लिया है । भारत, जहां लगभग पूरी तरह से समुद्री पोतों से आने वाली एलएनजी पर निर्भर है, वहीं चीन ने व्यवस्थित रूप से भूमि और क्षेत्रीय पाइपलाइन गलियारों का एक नेटवर्क बना लिया है । इसके कारण वह होर्मुज पाइपलाइन के व्यवधान से काफी हद तक सुरक्षित हो गया है ।

चीन की पावर ऑफ साइबेरिया पाइपलाइन, जो दिसंबर, 2019 से चालू है, पूरी क्षमता से रूस के साइबेरिया गैस क्षेत्रों से प्रति वर्ष 38 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) तक गैस की आपूर्ति करती है । उसकी दूसरी पाइपलाइन, पावर ऑफ साइबेरिया 2 है, जिसकी प्रस्तावित क्षमता 50 बीसीएम प्रति वर्ष है । वह मंगोलिया से होकर आएगी, पर अभी उसपर बातचीत चल रही है । इसके अलावा तुर्कमेनिस्तान से चीन का मध्य एशियाई पाइपलाइन नेटवर्क, तीन समानांतर लाइनों के माध्यम से 55 बीसीएम प्रति वर्ष गैस की ढुलाई करता है । चौथी लाइन निर्माणाधीन है जो कुल क्षमता को 85 बीसीएम प्रति वर्ष तक बढ़ा देगी ।

भारत और चीन की भंडारण क्षमता में बड़ा अंतर है । भारत में 22 से 24 एलएनजी भंडारण टैंकों में लगभग 2 से 2.5 अरब घनमीटर गैस का भंडार है, जो राष्ट्रीय गैस खपत के 10 से 12 दिनों के बराबर है । वहीं, चीन 2026 के अंत तक लगभग 80 अरब घनमीटर भंडारण क्षमता हासिल करने की राह पर है , जो उसकी वार्षिक खपत का लगभग 20 प्रतिशत है । अतीत में पाकिस्तान के रास्ते तुर्कमेनिस्तान और ईरान से पाइपलाइनें बिछाने की परियोजनाओं पर काम हुआ था, पर वे बन नहीं पाईं । भू-राजनीतिक तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के कारण दशकों से प्रस्तावित 1800 किलोमीटर लंबी तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान, पाकिस्तान-इंडिया (तापी) पाइपलाइन नहीं बन पाई । यह पाइपलाइन करीब 33 अरब घनमीटर गैस का परिवहन करती ।

दूसरी पाइपलाइन थी ईरान-पाकिस्तान-इंडिया (आईपीआई) लाइन । भारत ने भू-राजनीतिक कारणों और अमेरिकी प्रतिबंधों के दबाव में खुद को इस परियोजना से लगभग अलग कर लिया । भारत ने खनिज तेल का एक दीघर्कालीन भंडार ढांचा बना लिया है, पर गैस-भंडारण की विशाल अवसंरचना मौजूद नहीं है । अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध और पश्चिम एशिया की लड़ाई के कारण, हमारी ऊर्जा सुरक्षा, जोखिम में पड़ गई है । यह पाइपलाइन आशा की एक किरण बन सकती है ।

ईरान ने बुनियादी शर्तें पेश की

ईरान की शर्तें मानना अमेरिका के लिए अपनी हार स्वीकार करने जैसा होगा । ट्रंप ने इससे इनकार करते हुए प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू किया । मगर उसके दबाव में आने के बजाय ईरान ने जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं ।

अमेरिका/ इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम लगभग भंग हो चुका है । इसके टूटने की शुरुआत कब हुई और इसे किसने तोड़ा, इन प्रश्नों पर दोनों पक्षों की राय परस्पर विरोधी है । ईरान की दलील है कि आठ अप्रैल को लड़ाई ठहरने के बाद अमेरिका ने होरमुज जलडमरूमध्य की घेराबंदी कर युद्धविराम को पहली बार भंग किया । फिर तीन मई डॉनल्ड ट्रंप ने होरमुज जलमार्ग को जबरन खुलवाने के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम का एलान कर जंग का नया दौर शुरू कर दिया । ट्रंप का दावा है कि इस कार्रवाई के तहत सात ईरानी नौकाओं को नष्ट किया गया ।

उधर ईरान ने जलमार्ग पार करने की कोशिश मे लगे यूएई और दक्षिण कोरिया के टैंकरों को निशाना बनाया । लगे हाथ उसने संयुक्त अरब अमीरात के तेल ठिकाने फुजैरा और दुबई में कुछ स्थलों पर भी मिसाइलें दागीं । इस तरह जंग एक नए स्तर पर पहुंच गई है । पहले से ही ऊर्जा संकट, महंगाई और कई जरूरी पदार्थों के अभाव से ग्रस्त विश्व अर्थव्यवस्था पर यह नया प्रहार है । यह तो साफ है कि ट्रंप प्रशासन बिना स्पष्ट सैन्य उद्देश्य तय किए इस लड़ाई में उतर गया । उसकी धारणा शायद यह थी कि वेनेजुएला की तरह चौंकाने वाली कार्रवाई से वह ईरान में सत्ता बदल देगा । इससे वहां के तेल भंडार अमेरिकी नियंत्रण में आ जाएंगे । मगर ये दांव गलत पड़ा ।

तब से वह जंग से बाहर निकलने की राह नहीं ढूंढ पा रहा है । ट्रंप अमेरिका के विजयी होने के कथानक के साथ युद्ध खत्म करना चाहते हैं, लेकिन ईरान ने इसके अवसर से उन्हें वंचित कर रखा है । पिछले हफ्ते ईरान ने युद्ध समाप्त करने का तीन-स्तरीय फॉर्मूला अमेरिका को भेजा । इसके जरिए ईरान ने फिर अपनी बुनियादी शर्तें पेश कीं, जिन्हें मानना अमेरिका के लिए अपनी हार स्वीकार करने जैसा होगा । ट्रंप ने इससे इनकार करते हुए ईरान पर दबाव बढ़ाने की कोशिश में प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू किया । मगर इसके दबाव में आने के बजाय ईरान ने जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं । उनकी चोट फिलहाल यूएई और होरमुज स्थित टैंकरों पर पड़ी है, लेकिन इसका असर सारी दुनिया तक जाएगा ।

ग्रीमण क्षेत्रों में बढ़ी जल उपलब्धता, मोर गांव मोर पानी महाभियान से जल संरक्षण को मिली गति

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से विभिन्न जल संरक्षण कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में अब तक जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य संपादित किए गए हैं। इनमें समुदाय के लिए बोरवेल पुनर्भरण हेतु रेत फिल्टर एवं पुनर्भरण गड्ढा निर्माण के 202 कार्य, भू-जल संरक्षण के 26 कार्य तथा समुदाय के लिए तालाब निर्माण एवं पुनरुद्धार के 295 कार्य शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त सरकारी एवं पंचायत भवनों में छत पर वर्षा जल संचयन संरचनाओं के 102 कार्य पूर्ण किए गए हैं। साथ ही समुदाय के लिए मिनी अंतःश्रवण टैंक निर्माण के 25 कार्य एवं समुदाय के लिए गेबियन चेक डैम निर्माण के 34 कार्य भी किए गए हैं। व्यक्तिगत लाभार्थियों के अंतर्गत भी जल संरक्षण

के साथ-साथ आजीविका संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अंतर्गत व्यक्तियों के लिए इरिगेशन ओपन वेल के 97 कार्य तथा कृषि तालाब निर्माण के 369 कार्य पूर्ण किए गए हैं, जिससे किसानों को सिंचाई सुविधा मिलने के साथ-साथ उनकी आय में वृद्धि के अवसर भी सुनिश्चित हो रहे हैं।

जिले की ग्राम पंचायतों में नवा तरिया आय का जरिया अभियान के अंतर्गत नए तालाबों का निर्माण एवं पुराने जल स्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। यह पहल न केवल जल संरक्षण को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि आजीविका संवर्धन का सशक्त माध्यम भी बन रही है, जिससे ग्रामीणों को मत्स्य पालन, सिंचाई एवं अन्य आयवर्धक गतिविधियों के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विशेष रूप से, ग्रामीणों द्वारा स्वप्रेरणा से अपने घरों में निजी सोख्ता गड्ढा एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल का संरक्षण बढ़ रहा है और भू-जल स्तर में सुधार को बल मिल रहा है। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के निर्देशानुसार सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि आगामी वर्षा ऋतु में अधिकतम जल संग्रहण सुनिश्चित किया जा सके।

इन प्रयासों से जिले में भू-जल स्तर में सुधार हो रहा है, किसानों को सिंचाई सुविधा में लाभ मिल रहा है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे जल संरक्षण के इस महाभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और जल के महत्व को समझते हुए उसके संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

इंदौर में 31 मई को 'इम्पैक्ट इंडिया समिट-2026', 100 श्रेष्ठ एनजीओ होंगे सम्मानित

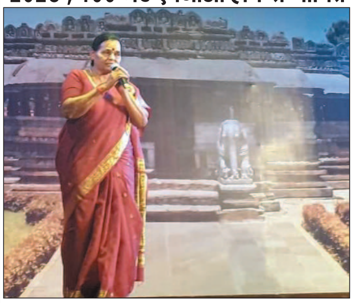

नई दृष्टिबिंदु / इंदौर

अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था और समाजसेविका शानू मोहनन का होगा सम्मान

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में 31 मई 2026, रविवार को 'इम्पैक्ट इंडिया समिट-2026' का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में देशभर के 100 अग्रणी एनजीओ को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। ये संगठन वास्तविक रूप से सामाजिक परिवर्तन और सुधारवादी आंदोलन के शिल्पकार हैं। स्वावलंबन एवं राष्ट्र निर्माण में प्रेरणा तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था एवं वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती शानू मोहनन को इंदौर में सम्मानित किया जाएगा।

सम्मान समारोह 31 मई को दोपहर 1 बजे से शाम 4:30 बजे तक प्रीतमलाल दुआ ऑडिटोरियम एवं आर्ट गैलरी, महावीर एम्पायर, 10 आरएनटी मार्ग, रीगल चौराहा, साउथ तुकोगंज, इंदौर-452001 में आयोजित होगा। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों डॉ. हंसा शुक्ला, राकेश नेमा, अभिलाषा मिश्रा, प्रदीप भट्टाचार्य, प्रीति परगनिहा, विजया पुष्पा चौहान, सोनम गुप्ता, भारती बेन, खुशबू सिंग, सुनंदा चंद्राकर, पप्पू चंद्राकर आदि ने श्रीमती शानू मोहनन को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कवर्धा को नई सौगात-उप मुख्यमंत्री ने किया मित्र मिलन चौपाटी का लोकार्पण

फुटकर व्यापारियों को मिला स्थायी व्यवसाय का ठिकाना, सुरक्षित हुआ रोजगार, स्वच्छ, सुंदर और धूल-रहित बनाने के लिए योजनाबद्ध विकास कार्य जारी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा शहरवासियों को एक बड़ी सौगात देते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर के हृदय स्थल में नवनिर्मित मित्र मिलन चौपाटी का लोकार्पण किया। इस अत्याधुनिक चौपाटी के प्रारंभ होने से नागरिकों को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। यह स्थल खानपान के साथ-साथ परिवारों और मित्रों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए एक प्रमुख आकर्षक केंद्र बनेगा। चौपाटी परिसर में रंग-रोगन, आधुनिक सजावट, रंग-बिरंगी लाइटिंग, सुव्यवस्थित पार्किंग, शुद्ध पेयजल और सवर्सुविधायुक्त शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

गुमटी व्यवसायियों को मिला सम्मान और स्थायी ठिकाना

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मित्र मिलन चौपाटी शहर के परिवारों के लिए एक बेहतरीन गंतव्य साबित होगी। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जो छोटे फुटकर व्यवसायी पहले सड़कों और चौक-चौराहों पर असुरक्षित ढंग से गुमटी लगाकर व्यवसाय करने को मजबूर थे, उन्हें अब एक स्थायी और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराया गया है। इससे न केवल उनका स्वरोजगार सुरक्षित होगा, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

कवर्धा में प्रगति पर हो रह हैं ऐतिहासिक विकास कार्य

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा शहर तेजी से आधुनिकता और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शहर में जारी विभिन्न परियोजनाओं का विवरण साझा किया। पूर्ण हो चुके प्रमुख कायी में वीर स्तंभ चौक, शिवाजी चौक का सौंदर्यीकरण कार्य प्रमुख हैं। भोरमदेव कॉरिडोर और मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी, भोजली तालाब पाथवे का चौड़ीकरण, हनुमंत वाटिका का निर्माण, ठाकुरदेव चौक से बस स्टैंड तक सुगम पहुंच मार्ग प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीमें नियमित रूप से इसकी कड़ाई से

निगरानी कर रही है। बाईपास को जोड़ने के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से गौरव पथ का निर्माण किया जा रहा है।

इसके साथ ही नालंदा लाइब्रेरी, शिव वाटिका, बूढ़ा महादेव परिसर उन्नयन, विशाल डोम निर्माण और पुराने अस्पताल परिसर के जीर्णोद्धार का कार्य जारी है। बुजुर्गों के मनोरंजन और बैठक के लिए जल्द ही सियान सदन का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एसडीएम कार्यालय और शुगर फैक्ट्री परिसर में क्रमशः श्बलराम सदनश एवं श्किसान सदनश का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और शहर की स्वच्छता

श्री शर्मा ने बताया कि युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए भोरमदेव विद्यापीठ में पीएससी और व्यापम की निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। साथ ही जिले के 50 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत की जा चुकी है। उन्होंने नगर पालिका के सामने भी जल्द ही एक और नई चौपाटी शुरू करने की घोषणा की और शहर को धूल-रहित व स्वच्छ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

यातायात व्यवस्था में आएगा सुधार- नगर पालिका अध्यक्ष

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि कवर्धा वासियों का वर्षो पुराना इंतजार आज समाप्त हुआ है। इस चौपाटी के बनने से फुटकर व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है और शहर की यातायात व्यवस्था भी पहले से अधिक सुगम व व्यवस्थित होगी।

इस लोकार्पण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य शहरवासी उपस्थित थे।

सुशासन तिहार : दिव्यांग वृद्ध कीर्तन भंडारी को मिला सहारा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर ने आम जनों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है। इसी कड़ी में ग्राम आमाडुला निवासी 76 वर्षीय कीर्तन भंडारी के जीवन में भी यह शिविर राहत और सहारे का माध्यम बनकर सामने आया। कीर्तन भंडारी एक दिव्यांग वृद्ध नागरिक हैं। बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरी के कारण उन्हें चलने-फिरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आठ सदस्यीय परिवार होने के बावजूद दैनिक जीवन की चुनौतियां उनके लिए लगातार बढ़ती जा रही थीं। ऐसे कठिन समय में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित शिविर उनके लिए बड़ी राहत साबित हुआ।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में उनकी समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें वॉकर स्टिक सहायक उपकरण प्रदान किया गया, जिससे अब उन्हें चलने-फिरने में काफी सहूलियत मिलने लगी है। इसके साथ ही उन्हें आयुष्मान वय वंदन कार्ड भी उपलब्ध कराया गया, जिससे भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने का रास्ता आसान हो गया है। सहायता प्राप्त करने के बाद कीर्तन भंडारी ने शासन-प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि अब उन्हें अपने जीवन में सहारा और सुरक्षा का एहसास हो रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन केवल समस्याओं का समाधान ही नहीं कर रहा, बल्कि लोगों के जीवन में संवेदनशीलता, विश्वास और नई उम्मीद भी जगा रहा है।

राशन दुकानों से चावल वितरण जल्द करें पूरा - कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों और जनहित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने उचित मूल्य दुकानों से मई के साथ जून माह के चावल वितरण को इस माह के अंत तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। खाद्य अधिकारी ने जानकारी दी कि सभी पीडीएस दुकानों में चावल भंडारित किया जा चुका है तथा हितग्राहियों को सूचना देकर वितरण कार्य निरंतर कराया जा रहा है।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि निजी अस्पतालों की ओपीडी में आने वाले ऐसे मरीज, जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनका अनिवार्य रूप से कार्ड बनाया जाए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों की मैपिंग कर विशेष शिविरों के माध्यम से शीघ्र लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने

के निर्देश भी दिए। जल संचयन अभियान के अंतर्गत सोक पीट एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण को लेकर कलेक्टर ने पंचायत, नगरीय निकाय, वन, कृषि सहित संबंधित विभागों को व्यापक स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। वहीं पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने व्यक्तिगत कनेक्शनों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों की समीक्षा करते हुए सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी भवन एवं छात्रावास निर्माण कार्यो की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि सभी निर्माण कार्यों को तेजी एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों की विकासखंडवार समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त जनसमस्याओं से संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवेदन संबंधित विभाग और स्तर तक समय पर पहुंचे तथा निराकरण के बाद जानकारी पोर्टल में अपलोड की जाए।

बैठक में जनगणना-2026 के अंतर्गत चल रहे मकान सूचीकरण एवं हाउस लेवल ब्लॉक सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लक्ष्य से पीछे चल रहे क्षेत्रों में कार्य में तेजी लाकर सर्वे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल, एडीएम विनय पोयाम, अपर कलेक्टर नरेंद्र पैंकरा सहित सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कवर्धा में डेढ़ करोड़ का धान घोटाला उजागर, 4500 क्विंटल की हेराफेरी

पंडरिया-लोहारा की समितियों में फर्जी खरीदी-बिक्री, प्रबंधक-ऑपरेटर पर एफआईआर के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले में सरकारी धान उपार्जन सिस्टम में बड़ा घोटाला सामने आया है। खाद्य विभाग की जांच में पंडरिया और लोहारा विकासखंड में करीब डेढ़ करोड़ रुपये के धान गबन का खुलासा हुआ है। फर्जी खरीदी-बिक्री और रिकॉर्ड में हेराफेरी कर 4500 क्विंटल धान का घोटाला किया गया।

कामठी और धरमगढ़ समिति में गड़बड़ी

जांच के अनुसार पंडरिया क्षेत्र की कामठी समिति में 3289 क्विंटल धान की फर्जी खरीदी-बिक्री पकड़ी गई। वहीं लोहारा के धरमगढ़ में 1200 क्विंटल धान की हेराफेरी मिली। दोनों मामलों में सरकारी धन के गबन की पुष्टि हुई है।

प्रबंधक-ऑपरेटर पर गंभीर आरोप

जांच में सामने आया कि प्रभारी प्रबंधक दयाराम पुसऊ, ऑपरेटर और अन्य कर्मचारियों ने मिलकर राशि का बंदरबांट किया। इसे धान उपार्जन नीति का गंभीर उल्लंघन माना गया है।

एफआईआर के निर्देश, वसूली शुरू

खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन ने इसे शासन को षड्यंत्रपूर्वक आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाला अपराध बताया। उन्होंने समिति प्रबंधक, ऑपरेटर और अन्य दोषियों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। दोषियों से पूरी राशि वसूलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

घोटाले के उजागर होने से प्रशासनिक गलियारों और किसानों में नाराजगी है। किसान संगठनों ने दोषियों पर सख्त कारर्वाई और उपार्जन प्रणाली में सुधार की मांग की है।

विधायक दीपेश साहू की अनूठी पहल : मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में खुद लेंगे सात फेरे

वीआईपी संस्कृति छोड़ 31 मई को सामूहिक विवाह में बंधेंगे शादी के बंधन, 24 जोड़े होंगे शामिल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

फिजूलखर्ची रोकने और सादगी का संदेश देने के लिए बेमेतरा विधायक दीपेश साहू 31 मई को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में खुद विवाह बंधन में बंधेंगे। बेमेतरा के इतिहास में पहली बार कोई मौजूदा विधायक सरकारी योजना के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आम नागरिकों के साथ सात फेरे लेगा।

बेसिक स्कूल मैदान में होगा आयोजन

यह भव्य सामूहिक विवाह समारोह 31 मई को बेमेतरा नगर के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम में

विधायक दीपेश साहू सहित क्षेत्र के 24 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिणय सूत्र में बंधेंगे। आयोजन को लेकर जिले और प्रदेश में उत्साह का माहौल है।

विधायक साहू का कहना है कि आधुनिक वैवाहिक आयोजनों में होने वाली फिजूलखर्ची समाज पर बोझ डालती है। उनका यह कदम सरल-सहज जीवनशैली को बढ़ावा देने और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के प्रति जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए है।

राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक वर्गों से विधायक के इस फैसले को बड़ी सराहना मिल रही है। लोगों का मानना है कि इससे योजना को लेकर झिझक कम होगी और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार भी सम्मान के साथ लाभ उठा सकेंगे। विधायक दीपेश साहू ने कहा, कोई भी शासकीय योजना तभी प्रभावी होती है, जब जनप्रतिनिधि स्वयं आगे बढ़कर उसका हिस्सा बनें और समाज में जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करें।

पेट की गैस से कुछ ही मिनटों में मिलेगा आराम करें ये आसान योगासन

बात करें अगर डाइजेशन को दुरुस्त रखने वाले योगासनों की तो आपको रोजाना वज्रासन करना चाहिए. आप इसे मॉर्निंग योगा रूटीन में शामिल कर सकते हैं या फिर खाने के बाद वज्रासन में बैठा जा सकता है. ये खाने को पचाने में मदद करता है, जिससे ब्लोटिंग, गैस की समस्या नहीं होती है. इसमें बस आपको घुटने मोड़कर पीठ को सीधा करके बैठना होता है. ये एक ऐसा योगासन है जो खाने खाने के बाद किया जा सकता है.

भुजंगासन यानी कोबरा पोज भी आपके डाइजेशन के लिए बेहतरीन है. इसमें पेट के बल लेट जाएं और फिर हाथों पर प्रेशर तक अपनी गर्दन और शोल्डर को ऊपर ले जाना होता है. इस तस्वीर में आप मुद्रा देख सकते हैं. इससे पेट पर एक बढ़िया खिंचाव आता है जिससे पाचन दुरुस्त होता है और फेफड़ों से लेकर चेस्ट की मसल्स तक मजबूत होती हैं.

खाना खाने के बाद या इसके अलावा भी अगर आपको पेट में गैस बनने की समस्या रहती है तो पवनमुक्तासन करना चाहिए. इस आसन का जैसा नाम है वैसा ही इसका फायदा भी है. पवनमुक्तासन करने से पेट की गैस आसानी से रिलीज हो जाती है और आपको दर्द में राहत मिलती है.

आप पाचन को दुरुस्त रखने के लिए रोजाना कुछ मिनट के लिए चाइल्ड पोज यानी बालासन कर सकते हैं. इसमें घुटनों के बल बैठना होता है और फिर अपने सिर को आगे झुकाकर जमीन पर लगाते हैं. इसमें भी पेट पर एक दबाव पड़ता है जिससे गैस रिलीज करने से लेकर पाचन को इंप्रूव करने में मदद मिलती है. ये आसन आपको स्ट्रेस फ्री भी फील कराता है.

डाइजेशन इंप्रूव करने के लिए आप ट्रायएंगल योगा पोज यानी त्रिकोणासन कर सकते हैं. इससे आपकी पूरी बॉडी की मसल्स की बढ़िया स्ट्रेचिंग होती है तो वहीं इससे पेट के अंगों को भी एक बढ़िया स्ट्रेच मिलता है, जिससे खाने को आसानी से पचाने में मदद मिलती है।

"सुबह खाली पेट सीधे चाय और किचन का काम, गर्मी में शरीर को जल्दी थका सकता है।

अक्सर महिलाएं सुबह उठकर सबसे पहले चाय पीना पसंद करती हैं और फिर नाश्ते की तैयारी में लग जाती हैं। सबसे पहले तो रातभर के बाद शरीर पहले से थोड़ा पानी खो चुका होता है। ऐसे में सीधा चाय पीना नुकसानदायक होता है।"

हीटवेव का अलर्ट : महिलाएं जरूर बरतें ये सावधानियां

हीटवेव की मार सिर्फ घर की चारदीवारी से बाहर तक ही सीमित नहीं है। सुबह की चाय खत्म होते-होते पसीना आने लगता है, किचन में 10 मिनट खड़े रहो तो लगता है जैसे खुद शरीर ही आग में झुलस रहा हो। दोपहर में ना लंच बनाने का मन करता है और ना ही कहीं बाहर जाने का। अब जब अगले 5 दिनों तक कई इलाकों में भीषण गर्मी और हीटवेव का अलर्ट आ गया है तो वक्त है कि आप भी थोड़ा सतर्क हो जाएं।

अगर आप सोचती हैं कि हीटवेव का असर सिर्फ घर से बाहर रहकर ही होगा, तो आप गलत है। यूं तो हर साल गर्मी पिछले साल से ज्यादा ही होती है, लेकिन इस बार गर्मी के कुछ अलग ही तेवर देखने को मिल रहे हैं। घर संभालने वाली महिलाएं भी इस हीटवेव की चपेट में आ सकती हैं। इसलिए, अब आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत है, जिसके बारे में हम आपको बता रहे हैं-

सुबह में ना करें ये गलती

सुबह खाली पेट सीधे चाय और किचन का काम, गर्मी में शरीर को जल्दी थका सकता है।

अक्सर महिलाएं सुबह उठकर सबसे पहले चाय पीना पसंद करती हैं और फिर नाश्ते की तैयारी में लग जाती हैं। सबसे पहले तो रातभर के बाद शरीर पहले से थोड़ा पानी खो चुका होता है। ऐसे में सीधा चाय पीना नुकसानदायक होता है। साथ ही, अगर आप गर्मी में खाली पेट रसोई में ज्यादा देर काम करती हैं, तो यह शरीर को जल्दी थका सकता है। इसलिए, रसोई के काम में जुटने से पहले कुछ हल्का जैसे भीगे बादाम, फल या छाछ का छोटा गिलास अवश्य ले लें।

स्मार्टली बनाएं लंच

एक होममेकर को लंच में हर किसी के लिए खाना बनाना पड़ता है। लेकिन तपती गर्मी के दिनों में रसोई में गर्मी बाहर के तापमान से भी

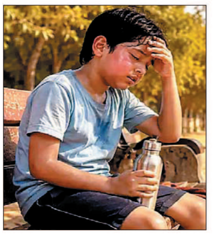

ज्यादा महसूस होता है। गैस की गर्मी और भाप मिलकर शरीर को जल्दी थका सकती है। इससे कमजोरी, चक्कर आना या थकान जैसी शिकायतें हो सकती हैं। अगर ऐसा हो तो तुरंत 5 मिनट का ब्रेक लें। साथ ही, लंच थोड़ा स्मार्टली बनाने की कोशिश करें। मसलन, सब्जियां व सलाद सुबह की काटकर रख लें या फिर चावल सुबह ही बना लें। वहीं, दोपहर में लंबे समय तक गैस के सामने खड़े रहने से बचें। बार-बार किचन में जाने की बजाय काम एक साथ निपटाएं।

रसोई के बाद सीधे ठंडी जगह बैठ जाना

रसोई से निकलकर तुरंत तेज ठंडक में बैठना शरीर को असहज कर सकता है।

यह सच है कि रसोई में काम करते हुए जब बहुत गर्मी लगती है तो महिलाएं गर्मी से निकलकर तुरंत कूलर या तेज एसी के सामने बैठना पसंद करती हैं। शरीर अचानक तापमान बदलने पर असहज महसूस कर सकता है। इसलिए, बेहतर है कि पहले सामान्य तापमान वाली जगह में कुछ मिनट रुकें।

पीएं दिखने वाला पानी

पानी आंखों के सामने रहेगा, तो उसे पीना भूलने की संभावना भी कम होगी।

गर्मी में पानी ज्यादा पीना चाहिए, यह तो हम सभी जानते हैं। लेकिन फिर भी महिलाएं अक्सर इस सावधानी को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में खुद को हाइड्रेट रखने के लिए आप 卐दिखने वाला पानी卐 पीएं। अक्सर हम पानी की बोतल फ्रिज में रखते हैं या फिर बोतल सामने ना होने पर प्यास महसूस होने तक पानी पीना टलता रहता है। इसलिए, जिस कमरे में आप सबसे ज्यादा रहती हैं, वहां पानी की बोतल आंखों के सामने रखें। साथ ही, जब भी घर में किसी को पानी दें, तो उसी समय खुद भी एक गिलास पानी अवश्य पीएं।

बच्चों को बाहर भेजने से पहले हर मां जान लें ये जरूरी बातें

Heatwave Precautions for Kids का मतलब है भीषण गर्मी और लू के दौरान बच्चों की सेहत का विशेष ख्याल रखना। तापमान बढ़ने पर बच्चों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है, इसलिए उन्हें सही समय पर बाहर भेजना और उनका हाइड्रेशन मेंटेन रखना बेहद जरूरी है।

हीटवेव के दौरान बच्चों को बाहर भेजने से पहले सावधानी बेहद जरूरी है।

हीटवेव के दौरान बच्चों को बाहर भेजने से पहले सावधानी बेहद जरूरी है।

गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं और उसके साथ-साथ बच्चों की मस्ती भी। अमूमन बच्चे गर्मी की छुट्टियों को पूरी तरह एन्जॉय करना चाहते हैं और इसलिए दोस्तों के साथ पार्क में खेलना तो कभी साइकिल चलाना जैसी एक्टिविटीज करते हैं। लेकिन अब जब देश के कई राज्यों में हीटवेव अलर्ट हो चुका है तो ऐसे में बच्चों को बाहर भेजना उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

अमूमन बच्चों पर गर्मी का असर जल्दी होता है और डिहाइड्रेशन की वजह से सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी जैसा महसूस होना या फिर कमजोरी का अहसास होता है। हालांकि, इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप अपने बच्चे को बाहर भेजने से रोकें। बस आपको बतौर मां कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं-

बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है हीटवेव

हीटवेव बच्चों की सेहत पर तेजी से असर डाल सकती है।

यूं तो हीटवेव का असर किसी पर भी हो सकता है, लेकिन बच्चों के लिए इसे काफी ज्यादा खतरनाक माना जाता है। दरअसल, इस दौरान जब तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है और गर्म हवा लगातार चलती रहती है, तब शरीर खुद को ठंडा नहीं रख पाता। चूंकि, बच्चों का शरीर बड़ों के मुकाबले जल्दी गर्म हो जाता है, इसलिए उनका ज्यादा ख्याल रखने की जरूरत होती है।

गलत समय पर बाहर ना भेजें

भले ही बच्चे छुट्टियों में बाहर खेलना पसंद करते हैं, लेकिन फिर भी आपको समय का खास ख्याल रखना चाहिए। आप इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे सुबह 11 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक बाहर ना निकलें। दरअसल, इस समय की धूप सबसे ज्यादा खतरनाक मानी जाती है।

सिर्फ पानी के भरोसे नहीं

पानी नहीं, बल्कि हेल्दी ड्रिंक्स भी दें।

गर्मी के मौसम में सिर्फ पानी पीना ही पर्याप्त नहीं होता। अक्सर बच्चे खेलने में इतने मशगूल हो जाते हैं कि उन्हें हाइड्रेशन का ख्याल ही नहीं रहता और वे सिर्फ प्यास लगने पर ही पानी पीते हैं। ऐसे में आपको बतौर मां उनका ख्याल रखना चाहिए।

हरी मिर्च का इस्तेमाल लोग अचार से लेकर सब्जी के तड़का और चटनी में खूब करते हैं तो वहीं इसे कच्चा भी खाना पसंद किया जाता है. लाल मिर्च पाउडर का यूज डेली रूटीन में खाने में तीखापन बढ़ाने के लिए करते हैं तो वहीं इससे चटनी और तड़का भी तैयार करते हैं. ये दोनों ही मिर्च स्वाद में तीखी होती हैं. इनमें बस बेसिक अंतर रंग का होता है एक फ्रेश है तो दूसरी यानी लाल मिर्च ड्राई होती है. ज्यादातर लोगों को ये सेम ही लगती होंगी, लेकिन इनका असर सेहत पर अलग-अलग तरीकों से होता है.

घर में लाल मिर्च न हो तो लोग तीखेपन के लिए हरी मिर्च का यूज कर लेते हैं. उन्हें लगता है कि इसमें क्या ही फर्क है. हालांकि दोनों तरह की मिर्च में काफी अंतर होता है. कैसे हरी मिर्च लाल मिर्च से बेहतर है और ये भी जान लें कि क्या लू से बचने के लिए हरी मिर्च खाना फायदेमंद रहता है.

न्यूट्रिएंट्स की मात्रा में फर्क

हरी मिर्च फ्रेश होती है जबकि लाल मिर्च को सुखाकर तैयार किया जाता है, इसलिए इनके न्यूट्रिएंट्स की मात्रा में फर्क होता है. हरी मिर्च में विटामिन सी और कैप्साइसिन लाल मिर्च के मुकाबले ज्यादा मात्रा में पाया जाता है. पबमेड में दी गई जानकारी के मुताबिक मिस्र में मिर्च की किस्मों पर एक परीक्षण किया गया. इसमें पाया गया कि ताजी मिर्च में एस्कॉर्बिक एसिड की मात्रा ज्यादा होती है और सुखाने पर मिर्च अपना ज्यादातर विटामिन सी खो देती हैं. हालांकि विटामिन ए में उल्टा असर देखा गया. शोधकर्ताओं ने पाया कि सूखने पर मिर्च में विटामिन ए की मात्रा 100 गुना बढ़ सकती है. मिर्च में केरोटीन और एस्कॉर्बिक एसिड की मात्रा खट्टे फलों से 6 गुना ज्यादा होती है.

हरी या लालज्कौन सी मिर्च ज्यादा फायदेमंद

बात करें हम हरी और लाल मिर्च में कौन सी मिर्च ज्यादा फायदेमंद है तो इसमें आपको अपनी जरूरत देखनी होगी. जैसे विटामिन सी के लिए जहां हरी मिर्च बेहतर रहेगी तो वहीं अगर शरीर को विटामिन ए की मात्रा चाहिए तो लाल मिर्च बेहतर रहती है. वैसे तो ज्यादा मिर्च-मसाले वाले खाने से स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर बहुत रिसर्च नहीं की गई है, लेकिन तीखापन होने की वजह से एसिडिटी, जलन होना जैसी दिक्कतें हो सकती हैं, इसलिए ज्यादा मिर्च खाने को मना किया जाता है.

मिर्च के न्यूट्रिएंट्स?

हेल्थ लाइन के मुताबिक, मिर्च में विटामिन सी, बी 6, विटामिन के1, पोटेशियम, कॉपर, विटामिन ए का बढ़िया सोर्स होती है. इसके अलावा इसमें ल्यूटिन, फेरुलिक एसिड, सिनापिक एसिड, कैप्साइसिन, वायोलेक्सैंथिन, कैप्सांथिन जैसे बायोएक्टिव प्लांट कंपाउंड भी पाए जाते हैं.

क्या होते हैं फायदे?

मिर्च के फायदों की बात करें तो इसमें सूजन रोधी प्रॉपर्टीज होती हैं. ये दर्द से राहत दिलाने से लेकर वेट को कंट्रोल करने तक में हेल्पफुल है. इसके अलावा ये इम्यूनिटी बूस्ट करती है. कैप्साइसिन में रोगाणुरोधी गुण होते हैं और इस वजह से ये खाने में सूक्ष्मजीवों को भी रोकने में हेल्पफुल माने जाते हैं. इसमें हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव भी होते हैं, जिससे ये हाई ब्लड शुगर कंट्रोल में हेल्पफुल है.

क्या लू से बचाएगी हरी मिर्च?

आपने अपने घर में भी ये बात सुनी होगी कि कच्ची हरी मिर्च खाने से लू से बचाव होता है. दरअसल पबमेड के मुताबिक, हरी मिर्च मुख्य रूप से अपने एक्टिव कंपाउंड कैप्साइसिन की वजह से आंतों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है, जो माइक्रोबायोम मॉड्यूलेटर के रूप में काम करता है. कैप्साइसिन आंत के लिए हानिकारक बीमारियों को पैदा करने वाले घटकों या रेगाणुओं को खत्म करने में मदद करता है. इसी के साथ ये लाभकारी बैक्टीरिया (जैसे लैक्टोबैसिलस) को बढ़ाने में मदद करता है. इसी के साथ ये पाचन रसों को भी एक्टिव करता है।

पढ़ाई में मन लगाने के लिए टेबल-कुर्सी रखने के वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र में हर एक समस्या का हल बताया गया है। व्यक्ति किसी भी परेशानी से जूझ रहा हो अगर वो वास्तु शास्त्र में बताएं हुए हल का पालान करता है तो उसे अच्छे परिणाम भी मिलते है। वास्तु शास्त्र न केवल आपके घर और स्वास्थ्य तक सीमित है बल्कि इसमें आपके बच्चों के लिए पढ़ाई से जुड़े हुए कुछ सरल और सार्थक उपायें भी बताएं गये है। काई बार देखा जाता है कि बच्चे कठिन परिश्रम के बाद भी असफल हो जाते है और कई बार तो बहुत कोशिश के बाद भी उनका पढ़ाई में मन नहीं लगता है ऐसे में बच्चों के माता पिता को बहुत टेंशन रहती है। माता पिता की इस टेंशन का हल भी वास्तु शास्त्र में बाताया गया है। अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है तो वास्तु शास्त्र में बताएं हुए कुछ इन उपायों को अपना सकते है।

पढ़ाई में मन लगाना और अच्छे अंक प्राप्त करना हर बच्चे का लक्ष्य होता है। लेकिन कई बार बच्चे काफी मेहनत करने के बावजूद अपनी पढ़ाई में अच्छे परिणाम नहीं पाते, और उनका मनपसंद अंक भी नहीं आता। क्या आप जानते हैं कि इसका कारण कभी-कभी कमरे में पढ़ाई करने के तरीके और टेबल-कुर्सी रखने का सही स्थान न होना भी हो सकता है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर चीज के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि पढ़ाई का टेबल और कुर्सी किस दिशा में रखी जाए और कमरे का वातावरण कैसा होना चाहिए, क्योंकि यही हमारे मन और दिमाग पर सबसे अधिक असर डालता है। आइए, इसे विस्तार से जानते हैं।

टेबल का स्थान

वास्तु के अनुसार पढ़ाई के समय उत्तर और पूर्व दिशा सबसे शुभ होती हैं। उत्तर दिशा में बैठने से ज्ञान और याददाश्त बढ़ती है और पूर्व दिशा में बैठने से बुद्धि तेज होती है और पढ़ाई में मन लगता है। टेबल हमेशा दीवार के पास रखें ताकि पीठ को सहारा मिले। दीवार और टेबल के बीच 10ङ्क15 सेंटीमीटर की दूरी रखें ताकि हवा और रोशनी कमरे में आसानी से आए। टेबल को खिड़की के पास रखना भी फायदेमंद होता है।

टेबल का साइज कैसा होना चाहिए

वास्तु के अनुसार बच्चों की पढ़ाई की टेबल रेक्टेंगल या चौकोर आकार की होनी चाहिए। ऐसा टेबल पढ़ाई में ध्यान बनाए रखने और सकारात्मक ऊर्जा लाने में मदद करता है। गोल या टेढामेडा टेबल से ध्यान भटक सकता है, इसलिए हमेशा मजबूत और सही आकार की टेबल रखें।

पढ़ाई की कुर्सी कैसी होनी चाहिए

कुर्सी मजबूत और आरामदायक होनी चाहिए। पढ़ाई के समय सीधे बैठें और पीठ को पूरी तरह सीधा रखें। पैर पूरी तरह जमीन पर टिके हों। वास्तु के अनुसार, सिर हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। पीठ को दीवार से सहारा देना आत्मविश्वास बढ़ाता है और पढ़ाई के दौरान ऊर्जा और ध्यान बनाए रखता है।

कमरे का डेकोर कैसा होना चाहिए

कमरा हमेशा साफ-सुथरा रखें। टेबल पर केवल जरूरी चीजें रखें, जैसे किताबें, नोटबुक और पेन। कमरे में हल्के रंग जैसे सफेद, हल्का नीला या हल्का हरा होना पढ़ाई के लिए अच्छा माना जाता है। टेबल के पास छोटा पौधा रखना शुभ माना जाता है, जैसे तुलसी या स्नेक प्लांट। दीवार पर इंस्पिरेशनल नोट्स या पोस्टर लगाना पढ़ाई में मन बनाए रखने में मदद करता है।

कमरे में ये चीजें रखें

वास्तु के अनुसार, बच्चों के स्टडी रूम के दरवाजे पर नीम की कुछ डालियां लगाना अच्छा माना जाता है, इससे कमरे में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। कमरे में पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का होना बहुत जरूरी है, इससे पढ़ाई में ध्यान आसानी से लग पाता है। साथ ही, स्टडी रूम में हरे रंग के पर्दे लगाने से भी एकाग्रता बढ़ती है और मन शांत रहता है।

इस दिशा में रखें स्टडी टेबल

वास्तु के अनुसार सबसे अहम् होती है दिशा। वास्तु के अनुसार बच्चे के पढ़ने वाली दिशा पर उचित ध्यान देना जरुरी है। वास्तु में पढ़ाई के लिए पूर्व और उत्तर दिशा शुभ मानी गयी है। पूर्व और उत्तर दिशा में ही बच्चे की स्टडी टेबल और कुर्सी को लगायें। इसके आलावा कभी भी पढ़ने वाले बच्चे का कमरा सीढ़ी के नीचे नहीं होना चाहिए।

टेबल पर रखें ये सब

बच्चे के कमरे में जिस टेबल पर आपका बच्चा बैठकर पढ़ाई कर रहा है उस टेबल पर सबसे जरुरी है सरस्वती माता की एक तस्वीर का होना। बच्चे की स्टडी टेबल पर सरस्वती माता की फोटों लगवाएं। इसके आलावा टेबल पर बहुत ज्यादा किताबें न रखें। किताबों को अलमीरा या सेल्फ पर अलग से रखें। टेबल पर बहुत ज्यादा किताबें होने से बच्चे पर बोझ और टेंशन बनी रहती है और उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता।

दीवारों के रंग को बदलें

वास्तु के अनुसार कमरे की दीवारों का रंग आपके मन और मस्तिष्क पर असर करता है। अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है तो बच्चे के कमरे को डिजाईन करते हुए दीवारों के रंगों को चमकीलें रंगों से रंगे। इसके साथ ही काले और नीले रंगों से बचे ये रंग बच्चों में तनाव पैदा करते है।

कमरे से डरावनी तस्वीर को करें दूर

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है तो बच्चे के कमरे में कोई भी डरावनी या हिंसात्मक तस्वीर न लगायें। कमरों में रंग बिरंगी और मोटीवेशनल तस्वीरें लगायें जिससे बच्चे का मन पढ़ाई में लगेगा।

इन दिशा में जलाएं मोमबत्ती

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है तो वास्तु के अनुसार बच्चे के कमरे के उत्तर पूर्व और पूर्व दिशा के कोने में मोमबत्ती जलाएं। ऐसा करने से बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित होता है और बौधिक क्षमता बढ़ने लगती है।

कमरे में रखें मोरपंख

वास्तु के अनुसार जिन बच्चों का पढ़ाई में मन न लग रहा हो उन बच्चों के कमरे में मोरपंख को रखना चाहिए। ऐसा करने से बच्चों में पढ़ाई के पार्टी एकग्रता बढ़ती है और पढ़ाई में मन लगने लगता है।

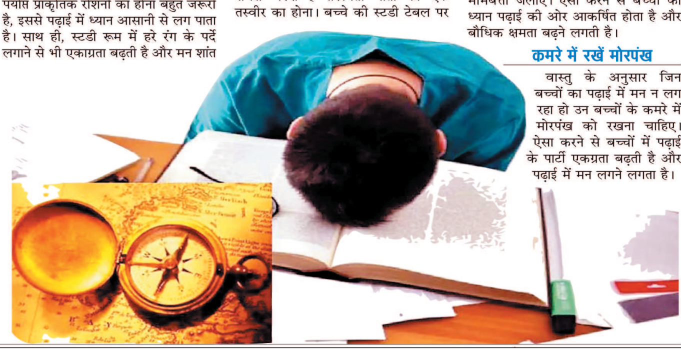

दिवाली से पहले ही हवा का त्त्क्ष्ु लेवल काफी बढ़ गया था. वहीं हर साल सर्दियों में एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है. इस समय भी दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में पॉल्यूशन की वजह से काफी कोहरा जैसा दिखाई दे रहा है. हवा का त्त्क्ष्ु लेवल ज्यादा हो जाए तो इसका असर सेहत पर भी दिखने लगता है. जिससे सांस लेने में तकलीफ होना. खांसी, गले में खराश जैसी समस्याएं होने लगती हैं. इसके अलावा ये आपकी आंखों के लिए भी नुकसानदायक होता है.

आपके शहर का त्त्क्ष्ु लेवल भी अगर बढ़ा हुआ है तो कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखना चाहिए ताकि आप स्वस्थ रह सकें. इस दौरान खासतौर पर कमजोर इम्यूनिटी वालों, बच्चों और बुजुर्गों को संभलकर रहने की जरूरत होती है. पॉल्यूशन की वजह से सांस से जुड़ी समस्या वालों की दिक्कत भी ट्रिगर हो जाती है. चलिए जान लेते हैं कि पॉल्यूशन वाली हवा से बचने और सेहतमंद रहने के लिए किन बातों को ध्यान में रखें.

बाहर निकलते वक्त लगाएं मास्क

पॉल्यूशन के दौरान बाहर निकलते वक्त अच्छी क्वालिटी का मास्क यूज करना चाहिए. इससे आप काफी हद तक सेफ रह सकते हैं. खासतौर पर अगर आप वर्किंग हैं और रोज आपको बाहर जाना होता है तो इस बात का ध्यान रखें.

ये करना रहता है फायदेमंद

अगर आपको खांसी, खराश जैसी समस्याएं पॉल्यूशन की वजह से हो रही हैं तो रात को सोने से पहले गर्म पानी करके भाप लेना चाहिए. इससे सांस की नलियां साफ होती हैं तो वहीं गर्म पानी से गरारे करने से भी काफी राहत महसूस होगी.

चश्मा लगाना न भूलें

पॉल्यूशन की वजह से कई बार आंखों ड्राइनेस होना, इचिंग, पानी निकलना, लालिमा होना जैसी दिक्कत होने लगती हैं. इससे बचाव के लिए ध्यान रखें कि बाहर निकल रहे हैं तो मास्क की तरह ही आंखों पर चश्मा भी पहनें. इससे आंखें यूवी किरणों से भी बची रहेंगी और पॉल्यूशन से भी बचाव होगा. आंखों में किसी तरह की समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

इम्यूनिटी करें मजबूत

पॉल्यूशन के बीच खुद को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी और फैमिली की इम्यूनिटी बूस्ट करें. इसके लिए गिलोय को उबालकर पी सकते हैं. अदरक, लौंग, तुलसी जैसी हर्ब्स का काढ़ा फायदेमंद रहता है तो वहीं हल्दी वाला दूध सोने से पहले लेना चाहिए.

प्रदूषण की चपेट में बचपन

त्यौहारों का मौसम आते ही, खासकर नवरात्रि, दशहरा और दिवाली के वक्त, उत्तर भारत में सर्दियों की शुरुआत भी हो जाती है। इसी समय पर पराली जलाने की समस्या, गिरता तापमान और हवा की कमी की वजह से हवा में फैला प्रदूषण लंबे समय तक बना रहता है। इस दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और बारीक कण गहरी सांस की नलियों तक पहुंच जाते हैं।साथ ही सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, ओज़ोन और तरह-तरह के केमिकल्स मिलकर हवा को और जहरीला बना देते हैं। ऊपर से त्योहारों में गाड़ियों की आवाजाही बढ़ जाती है, जिससे प्रदूषण और ज्यादा बढ़ जाता है। अब जब ये सब प्रदूषक हमारे शरीर में जाते हैं तो नाक, गले, आंखों और फेफड़ों में जलन और सूजन पैदा करते हैं। ठंडी हवा में सांस की नलियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे सांस बाहर निकालना मुश्किल हो जाता है। बच्चों में अगर पहले से अस्थमा या एलर्जी जैसी समस्या है, तो ये दिक्कत और बढ़ जाती है। बुजुर्गों में COPD जैसी बीमारियां ज्यादा बिगड़ सकती हैं। इस तरह से प्रदूषण इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे बार-बार खांसी, गले में खराश और यहां तक कि मौसमी फ्लू जल्दी पकड़ लेता है। नवरात्रि, दिवाली जैसे त्योहारों पर पटाखों का धुआं, पराली जलाना और वाहनों का धुआं मिलकर हवा में क्करू2.5, क्करू10, सल्फर डाइऑक्साइड जैसे खतरनाक प्रदूषकों की एक घातक परत बना देते हैं। गिरता तापमान और हवा की कमी इन प्रदूषकों को और भी ज्यादा घना बना देती है।

ये जहरीले कण सीधे हमारे फेफड़ों में पहुंचकर सांस की नलियों में जलन और सूजन पैदा करते हैं। ठंडी हवा के कारण ये नलियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे अस्थमा और COPD जैसी बीमारियां बिगड़ जाती हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से मौसमी फ्लू और लगातार खांसी की समस्या पैदा हो जाती है। सेहतमंद खानपान और भरपूर पानी के सेवन से इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाएं।

राजनांदगांव जिला बना सौर ऊर्जा मॉडल, 3500 घरों में लगे रूफटॉप सोलर प्लांट

2406 उपभोक्ताओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से पहुंची सब्सिडी, सौर ऊर्जा क्रांति तेज का नया मॉडल बनकर उभर रहा है राजनांदगांव क्षेत्र

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के राजनांदगांव क्षेत्र में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा क्रांति तेजी से आकार ले रही है। राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों में हजारों परिवार अब अपने घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाकर न केवल स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि बिजली बिलों में भी बड़ी राहत प्राप्त कर रहे हैं। कई उपभोक्ताओं के मासिक बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य हो चुके हैं। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल बन रही है।

आवेदन और स्थापना में रिकॉर्ड प्रगति

राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीनों जिलों में सौर संयंत्र स्थापना कार्य में रिकॉर्ड प्रगति दर्ज की गई है। अब तक तीनों जिलों से कुल 6 हजार 52 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 6 हजार 45 आवेदकों की औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा 5 हजार 670 उपभोक्ताओं ने अपने वेंडर का चयन भी कर लिया है।

संयंत्र स्थापना का जिलावार विवरण

राजनांदगांव जिला में 2 हजार 899 घरों में कुल अनुमानित सक्रिय प्लांट लगभग 3,500, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में 401 घरों में और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के 181 घरों में उपभोक्ताओं को त्वरित स्वीकृति, नेट मीटरिंग तथा सब्सिडी का लाभ उपलब्ध कराने के लिए बिजली कंपनी द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

डीबीटी के माध्यम से सीधे हितग्राही के खातों में आ रही सब्सिडी

योजना के सफल क्रियान्वयन का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि अब तक 2 हजार 406 उपभोक्ताओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है। बिजली कंपनी द्वारा नेट मीटरिंग पूर्ण होते ही सब्सिडी ट्रांसफर की प्रक्रिया को तेज किया गया है। हर महीने मुफ्त बिजली की बड़ी बचत (उत्पादन क्षमता) रूफटॉप सोलर संयंत्र उपभोक्ताओं के लिए दीघर्कालीन आर्थिक बचत का बड़ा माध्यम बन रहे हैं।

तकनीकी आंकड़ों के अनुसार सोलर प्लांट की प्रतिमाह उत्पादन क्षमता

प्लांट की क्षमता प्रति माह अनुमानित बिजली उत्पादन 1 किलोवाट 120 से 150 यूनिट, 2 किलोवाट 240 से 300 यूनिट, 3 किलोवाट 360 से 450 यूनिट सामान्य घरेलू उपयोग वाले परिवारों के लिए यह उत्पादन पूरी तरह पर्याप्त साबित हो रहा है, जिसके कारण उपभोक्ताओं का बिजली बिल लगभग समाप्त हो गया है।

केंद्र और राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी

प्लांट क्षमता केंद्र सरकार की सब्सिडी, राज्य सरकार की सब्सिडी कुल वित्तीय सहायता 1 किलोवाट 30 हजार रूपए केंद्र सरकार की सब्सिडी और 15 हजार रूपए राज्य सरकार की सब्सिडी कुल मिलाकर 45 हजार रूपए की सब्सिडी हितग्राही को मिल रही है। इसी प्रकार 2 किलोवाट पर 60 हजार रूपए केंद्र सरकार की सब्सिडी और 30 हजार रूपए राज्य सरकार की सब्सिडी कुल मिलाकर 90 हजार रूपए की सब्सिडी और 3 किलोवाट या अधिकतम 1 लाख, 08 हजार रूपए की सब्सिडी हितग्राही को दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख सरकारी एवं निजी बैंकों द्वारा बेहद आकर्षक एवं रियायती ब्याज दरों पर आसान ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिसे उपभोक्ता बिजली बिल में होने वाली बचत की राशि से आसान मासिक किश्तों में चुका सकते हैं।

वेंडरों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश

कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने सभी पंजीकृत वेंडरों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन उपभोक्ताओं ने आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर ली हैं, उनके घरों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर सोलर प्लांट स्थापना का कार्य तत्काल पूरा किया जाए। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। कार्यपालक निदेशक ने नागरिकों से अपील की है कि वे दीघर्कालीन बिजली बचत और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आधिकारिक पोर्टल pmsuryaghar-gov-in पर शीघ्र ऑनलाइन आवेदन करें और अपने घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करें।

खास खबर

'भाषा हमें एक दूसरे के निकट लाती है' - विद्यार्थियों ने सीखी लोक संस्कृति, पारंपरिक खेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केंद्रीय विद्यालय में ग्रीष्मकालीन भारतीय भाषा प्रशिक्षण शिविर का समापन

दुर्ग। केंद्रीय विद्यालय में आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारतीय भाषा प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को रंगारंग समापन हुआ। विद्यालय परिसर भारतीय संस्कृति, भाषाई विविधता और लोकजीवन के रंगों से सराबोर रहा। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन, लोकगीत, पारंपरिक खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय भाषाओं और संस्कृति से जुड़ाव दिखाया।

लघु भारत है केंद्रीय विद्यालय : कार्यक्रम संयोजक पुरुषोत्तम साहू ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति और संवेदनाओं का सेतु है। कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं एवं लोकसंस्कृतियों से परिचित कराना और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करना था। प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करता है। भारतीय भाषाओं का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का प्रयास है। वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अजय आर्य ने कहा कि भाषा हमें एक-दूसरे से जोड़ती है। जब हम किसी की भाषा सीखते हैं, तब उसके जीवन और भावनाओं को भी समझते हैं।

सात दिन, कई भाषाएं : शिविर में तेलुगु, मराठी, छत्तीसगढ़ी, मलयालम, उड़िया, गुजराती, असमिया आदि भाषाओं पर सत्र हुए। पहले दिन अभिवादन, संख्याएं और वणर्माला सिखाई गई। दूसरे दिन खेल व शरीर से जुड़ी शब्दावली पर गतिविधियां हुईं। तीसरे दिन वरली आर्ट, मलयालम लोकनृत्य और उड़िया गीतों का प्रशिक्षण दिया गया। चौथे दिन मराठी खान-पान, संस्कृति और बोलचाल का अभ्यास कराया गया। अंतिम दिन विद्यार्थियों ने बिल्लस, पिट्ठू जैसे पारंपरिक खेल खेले और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। शिक्षिका रचना पाल ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति व लोकपरंपराओं की जानकारी दी। संगीत शिक्षिका डॉ. श्रावणी सिंह ने लोकगीतों और संगीत की बारीकियां समझाईं। कार्यक्रम में एम.ए. नंदनवार, संजीव भदौरिया, पूर्वा स्वामी, विशाल देवांगन, रेखेन्द्र, अल्तमाश समेत कई शिक्षकों की सहभागिता रही।

विद्यार्थियों ने साझा किए अनुभव : दीपांशु वर्मा ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों और पारंपरिक खेलों को रोचक बताया। राम ने कहा कि विविध भाषाओं-संस्कृतियों से भारत की सुंदरता का अनुभव हुआ। गोपाल साहू और याचिका साहू को छत्तीसगढ़ी व्यंजन व लोकसंस्कृति आकर्षक लगी। निशांत साहू ने कहा कि कैंप से नई भाषा और नए मित्र मिले। अर्जुन शर्मा को पारंपरिक खेल आनंददायक लगे। प्रवीण सेन ने कहा कि शिविर से स्थानीय संस्कृति पर गर्व हुआ। अनुराग प्रधान ने कहा कि कैंप में बहुत कुछ सीखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में संजीव भदौरिया ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ। विद्यालय परिवार ने इसे भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

तीजन बाई रायपुर एम्स के आईसीयू में भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की गौरवशाली पंडवानी परंपरा को नई पहचान दिलाने वाली विख्यात लोक कलाकार तीजन बाई की तबीयत अचानक खराब हो गई। स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया, जहां मेडिकल आईसीयू में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। लोककला की जीवंत पहचान तीजन बाई को तबीयत बिगड़ने के बाद एम्स रायपुर लाया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उन्हें प्राथमिक जांच के बाद सीधे मेडिकल आईसीयू में भर्ती किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम उनकी सेहत पर पल-पल की नजर बनाए हुए है। उनकी हालत स्थिर है, लेकिन सतकर्ता बरती जा रही है। पद्मविभूषण समान से सम्मानित तीजन बाई देश-विदेश में पंडवानी कला की अग्रदूत मानी जाती हैं। उनके स्वास्थ्य खराब होने की खबर फैलते ही कला प्रेमियों, कलाकारों और अनुयायियों में चिंता की लहर है।

बसंतपुर के 7 कैंपर और 2 अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक वितरित, हॉकी नसर्री बना गौरव का केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

बसंतपुर स्थित बल्देव प्रसाद मिश्र हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में संचालित हॉकी प्रशिक्षण शिविर में 7 जूनियर कैंपरों और 2 अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक और बॉल भी वितरित की गईं।

प्रतिभा सुविधा की मोहताज नहीं

समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता एवं उपाध्यक्ष भूषण साव उपस्थित रहे। अंसारी ने कहा कि बसंतपुर का यह मैदान आज पूरे प्रदेश के लिए गौरव का केंद्र बन चुका है। सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और कोच अनुराज श्रीवास्तव के मार्गदर्शन ने साबित किया है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला हॉकी संघ ग्राउंड की आवश्यकताएं पूरी करने का हर संभव प्रयास करेगा।

10 साल में 7 खिलाड़ी इंडिया कैंप तक पहुंचे

एनआईएस हॉकी कोच अनुराज श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में इस ग्राउंड से 7 खिलाड़ी हॉकी इंडिया कैंप तक पहुंचे हैं, वहीं 3 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी भी मिली है। हॉकी इंडिया के कोर टीम कैंप में भूमिक्षा साहू, आंचल साहू, अनीशा साहू, ओम यादव, संदीप ठाकुर, तरुण यादव और शीतल यादव भाग ले चुके हैं।

3 खिलाड़ियों को मिली सरकारी नौकरी

वर्तमान में तरुण यादव एसईसीआर बिलासपुर, भूमिक्षा साहू आरसीएफ कपूरथला (पंजाब) तथा अनीशा साहू एनईआर रेलवे गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में पदस्थ हैं।

खेल के साथ पढ़ाई भी जरूरी

वरिष्ठ खिलाड़ी एवं कोच भूषण साव ने कहा कि खेल के साथ पढ़ाई भी बेहद महत्वपूर्ण है। सभी खिलाड़ी अनुशासन और समर्पण के साथ शिक्षा एवं खेल दोनों पर ध्यान दें। जिला सचिव शिवनारायण धकेता ने खिलाड़ियों को अनुशासित जीवन शैली अपनाकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

हॉकी स्टिक-बॉल का वितरण

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला हॉकी संघ के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के लिए प्राप्त हॉकी स्टिक एवं बॉल का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर महेंद्र सिंह ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं कोच परमजीत सिंह, योगेश द्विवेदी, सचिन खोबरागड़े, अभिनव मिश्रा, दीपक यादव, कृष्णा यादव सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

महिला कबड्डी टीम ने फिर किया कमाल तुमसर में जीता ऑल इंडिया टूर्नामेंट

फाइनल में लालपुर को 12 अंकों से हराया, पूरे साल दर्जनों प्रतियोगिताओं में रही प्रथम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव जिला महिला कबड्डी टीम ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। महाराष्ट्र के तुमसर में आयोजित ऑल इंडिया कबड्डी टूर्नामेंट में टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबले में राजनांदगांव ने लालपुर को 37-25 से, कुल 12 अंकों के अंतर से हराकर विजेता का गौरव प्राप्त किया। टीम ने महाराष्ट्र की सभी टीमों को मात देते हुए खिताब अपने नाम किया।

सालभर में दर्जनों खिताब

राजनांदगांव जिला कबड्डी समिति ने बताया कि महिला टीम ने इस वर्ष दर्जनों ऑल इंडिया कबड्डी टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। समिति ने समस्त कोच, मैनेजर और खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

सालभर चलता है प्रशिक्षण

राजनांदगांव जिला कबड्डी संघ की खासियत है कि वह खिलाड़ियों को पूरे वर्ष प्रशिक्षण देता है। खिलाड़ी भी पूरी तन्मयता से प्रशिक्षण लेते हैं, जिसका परिणाम प्रतियोगिताओं में दिखाई देता है।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण जारी

संघ द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्रत्येक ब्लॉक में चलाया जा रहा है। डोंगरगढ़ विकासखंड के मड़ियान ग्राम में, छुरिया विकासखंड के गेंदा टोला में प्रशिक्षण हो रहा है। राजनांदगांव विकासखंड में महिलाओं का प्रशिक्षण कमला कॉलेज और पुरुषों का प्रशिक्षण दिग्विजय स्टेडियम में चल रहा है।

खैरागढ़ के दल्लीखोली जंगल में राष्ट्रीय पक्षी मोर समेत 15 वन्यजीवों की रहस्यमयी मौत

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

दल्लीखोली वन क्षेत्र में 15 वन्यजीवों की असामयिक मौत से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। मृत जीवों में तीन मोर, दो जंगली उल्लू और पांच कबरबिज्जू समेत कई पक्षी शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में भीषण गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक की आशंका जताई गई है, वहीं पानी में जहर मिलाने की आशंका को भी गंभीरता से लिया जा रहा है।

सूचना पर पहुंचा वन अमला

सोमवार शाम करीब छह बजे प्रतीक ठाकुर ने वन विभाग को सूचना दी कि दल्लीखोली वन क्षेत्र के पास कई वन्यजीव मृत पड़े हैं। सूचना मिलते ही खैरागढ़ वन परिक्षेत्र का अमला मौके पर पहुंचा। निरीक्षण में मोर, उल्लू, कबरबिज्जू समेत 15 पक्षी और वन्यप्राणी मृत पाए गए। वन अमले ने शवों को सुरक्षित कराया और पास स्थित जल स्रोत झिरिया पर पहरेदार तैनात कर निगरानी शुरू की, ताकि जांच पूरी होने तक कोई अन्य जीव उस जल का उपयोग न कर सके।

विशेषज्ञों ने किया निरीक्षण, पोस्टमार्टम हुआ

मंगलवार सुबह वन अमले और अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया, जिसमें कोई अन्य मृत वन्यजीव या संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली। मुख्य वन संरक्षक एम. मर्सीबेला, वनमंडलाधिकारी पंकज राजपूत समेत अन्य अधिकारियों ने जंगल पहुंचकर जानकारी ली। कानन पेंडारी जू से आए वन्यजीव विशेषज्ञों ने भी स्थल का निरीक्षण किया। मृत वन्यजीवों का पोस्टमार्टम बिलासपुर से आई डॉक्टरों की टीम एवं स्थानीय पशु शल्यज्ञ डॉ. विनय मिश्रा द्वारा किया गया।

15 वन्यजीवों में ये शामिल

मृत जीवों में तीन मोर, एक भृंगराज, दो कौआ, एक ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन, एक रूफस ट्रीपाई, दो जंगली उल्लू और पांच कबरबिज्जू शामिल हैं। सभी शवों का वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दाह संस्कार कर दिया गया।

फॉरेंसिक रिपोर्ट से होगा खुलासा

प्रारंभिक निरीक्षण में विशेषज्ञों ने जहरखुरानी की आशंका कम बताते हुए हीट स्ट्रोक को संभावित कारण माना है। हालांकि अंतिम निष्कर्ष फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। जांच के लिए विसरा और झिरिया जल के नमूने फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं।

कानून व्यवस्था को लेकर एसपी अंकिता शर्मा ने ली समीक्षा बैठक, दिए सख्त निर्देश

क्विक रिस्पांस टीम 10-15 मिनट में मौके पर पहुंच रही, रिस्पांस टाइम पर रिजर्व इंस्पेक्टर की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी पर्व-त्योहारों और पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने मंगलवार को जिले के राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और शाखा प्रभारियों की महत्वपूर्ण कानून व्यवस्था समीक्षा बैठक ली। बैठक में केस स्टडी के जरिए फील्ड ऑफिसर्स को कानून व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

क्विक रिस्पांस टीम की कार्यप्रणाली की समीक्षा

एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि लगभग एक माह पूर्व गठित ह्लॉ एंड ऑर्डर क्विक रिस्पांस टीमह्व पुलिस लाइन और एसपी कार्यालय में हमेशा रेडी स्थिति में तैनात रहती है। किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति में टीम शहर क्षेत्र में 10-15 मिनट के भीतर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई कर रही है। बेहतर रिस्पांस टाइम और तत्परता के लिए रिजर्व इंस्पेक्टर की सराहना की गई।

पेट्रोलिंग बढ़ाने और सोशल मीडिया पर निगरानी के निर्देश

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को पेट्रोलिंग बढ़ाने, जरूरतमंदों की संवेदनशीलता से मदद करने, संदिग्धों पर कड़ी निगरानी रखने और असामाजिक तत्वों पर कारर्वाई के निर्देश दिए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतकर्ता बरतने को कहा गया। सामाजिक और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित करने तथा जनप्रतिनिधियों, धमर्गुरुओं और गणमान्य नागरिकों से सतत संवाद रखने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया पर अफवाह, भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट पर साइबर मॉनिटरिंग बढ़ाने और तत्काल वैधानिक कारर्वाई के निर्देश दिए गए। अफवाहों का खंडन करने के लिए अधिकृत सूचना जारी करने को कहा गया।

रात्रि गश्त और मॉक ड्रिल पर जोर

बैठक में रात्रि गश्त सुदृढ़ करने, गुंडा-बदमाशों की नियमित चेकिंग, सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस उपस्थिति बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। पुलिस की तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करने की रणनीति भी तैयार की गई।

एसपी अंकिता शर्मा ने कहा कि आमजन की सुरक्षा, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना राजनांदगांव पुलिस की सवोर्च्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी-कर्मचारी अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से दायित्व निभाएं। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, एसडीओपी डोंगरगढ़, एसडीओपी डोंगरगांव, डीएसपी हेडक्वार्टर, डीएसपी ऑपरेशंस सहित जिले के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे। राजनांदगांव पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

आबंटित दुकानों का किराया जमा नहीं करने पर तालाबंद कर सील करने की कार्रवाई की गई

जिला चिकित्सालय राजनांदगांव परिसर में आबंटित दुकानों का वर्षों से लंबित किराया जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। जीवन दीप समिति के निर्णय के अनुसार बकाया किराया जमा नहीं करने पर दुकानों को सील करने एवं आबंटन निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में ममता चन्द्राकर को जिला चिकित्सालय राजनांदगांव परिसर में आबंटित उत्तरमुखी दुकान क्रमांक-8 को तालाबंद कर सील किया गया। संबंधित दुकान का माह जुलाई 2015 से किराया बकाया था। कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय राजनांदगांव द्वारा किराया राशि जमा करने हेतु अंतिम स्मरण नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बावजूद निर्धारित समयावधि तक 1 लाख 79 हजार 666 रूपए की बकाया राशि जमा नहीं किए जाने पर दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई। परिसर में संचालित अन्य दुकानदारों को भी निर्धारित समयसीमा में बकाया किराया जमा करने के निर्देश दिए हैं। समय सीमा में बकाया किराया राशि जमा नहीं करने वाले अन्य दुकानदारों के विरूद्ध भी नियमानुसार सीलिंग एवं आबंटन निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने लोकांगन परिसर भिलाई पहुंचकर स्वर्गीय दिनेश सेन को श्रद्धांजली अर्पित किए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज संध्या लोकांगन परिसर वैशाली नगर भिलाई में आयोजित श्रद्धांजली सभा में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय दिनेश सेन जी के छायाचित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर श्रद्धांजली दी।

ज्ञात हो कि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्वर्गीय दिनेश सेन जी का निधन 17 मई 2026 को हो गया। उनकी पावन स्मृति में विधायक श्री सेन द्वारा श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने इस शोक की घड़ी में विधायक रिकेश सेन और उनके शोकाकुल परिजनों से मूलाकात कर ढांढस बंधाया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गृह मंत्री शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने भी स्व. सेन को दी श्रद्धांजली

प्रदेश के गृह, जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा और प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल आज संध्या लोकांगन परिसर वैशाली नगर भिलाई में आयोजित श्रद्धांजली सभा में शामिल हुए। मंत्री द्वय ने स्वर्गीय दिनेश सेन के छायाचित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर श्रद्धांजली दिये। ज्ञात हो कि वैशाली नगर

विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्वर्गीय दिनेश सेन जी का निधन 17 मई 2026 को हो गया। उनकी पावन स्मृति में विधायक श्री सेन द्वारा श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। मंत्री द्वय ने इस शोक की घड़ी में विधायक रिकेश सेन और उनके शोकाकुल परिजनों से मूलाकात कर ढांढस बंधाया। इस अवसर पर विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा एवं अन्य जनप्रतिनिधि व नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बस स्टैंड वाटर एटीएम में अनियमितता पर निगम सख्त

नियम विरुद्ध पानी बेचने पर कम्पनी संचालक को नोटिस के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भीषण गर्मी के दौरान आम नागरिकों, यात्रियों एवं जरूरतमंद लोगों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम दुर्ग द्वारा शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित वाटर एटीएम पनघट का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देशानुसार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में जल विभाग प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन ने जल विभाग के सहायक अभियंता गिरीश दीवान के साथ बस स्टैंड स्थित वाटर एटीएम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिकायत सही पाई गई कि वहां तैनात कर्मियों द्वारा नियमों के विपरीत बड़े कैनों में पानी भरकर विक्रय किया जा रहा था, जिससे आम नागरिकों एवं यात्रियों को समय पर स्वच्छ एवं शीतल पानी उपलब्ध होने में परेशानी हो रही थी।

निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अत्यधिक मात्रा में कैनों में पानी भरने के कारण पानी पर्याप्त फिल्ट्रेशन प्रक्रिया से नहीं गुजर पा रहा था, जिससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने की संभावना बनी हुई थी। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए जल विभाग प्रभारी ने संबंधित कम्पनी संचालक को तत्काल नोटिस जारी करने तथा भविष्य में इस प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कारर्वाई करने के निर्देश दिए।

साथ ही अधिकारियों को वाटर एटीएम से उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता जांच के लिए लैब टेस्ट कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर निगम द्वारा स्थापित वाटर एटीएम आम जनता की सुविधा के लिए हैं और इनके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा संचालित वाटर एटीएम में एक रुपये के सिक्के पर एक लीटर एवं पांच रुपये के सिक्के पर पांच लीटर शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जाता है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।

साईराम व्हील्स ठगी मामले में गिरफ्तारी पर भिलाई चेम्बर ने पुलिस को दिया धन्यवाद

व्यापारियों में विश्वास बढ़ा, भविष्य में समन्वय जारी रखने पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

साईराम व्हील्स में हुई 20 लाख की ठगी के मामले में पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी पर भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने पुलिस प्रशासन का आभार जताया है। चेम्बर की टीम ने एसपी और अतिरिक्त एसपी को विशेष धन्यवाद दिया।

गिरफ्तारी से व्यापारियों में सुरक्षा की भावना मजबूत

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि इस तरह की ठगी की घटनाएं व्यापार जगत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी से व्यापारियों में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि एसपी और अतिरिक्त एसपी ने तत्परता और गंभीरता से कारर्वाई की। पुलिस प्रशासन का सहयोग सराहनीय है और भविष्य में भी इसी प्रकार का समन्वय जारी रहेगा।

तालमेल से समस्याओं का समाधान होगा

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने कहा कि चेम्बर और पुलिस प्रशासन के बीच तालमेल से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान और भी प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। इस अवसर पर चेम्बर सदस्य सुनील मिश्रा, मनोहर कृष्णानी, नरेश गुप्ता, चिन्ना राव और रितेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

मूलभूत समस्याओं को लेकर पाषर्दों का धरना, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पानी, बिजली, पेंशन और पट्टा नवीनीकरण नहीं होने से जनता परेशान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भिलाई निगम क्षेत्र में पानी, बिजली, पेंशन और पट्टा नवीनीकरण जैसी मूलभूत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद लालचंद वर्मा और वार्ड 16 के पार्षद केशव चौबे के नेतृत्व में धरना दिया गया। धरने के बाद जिलाधीश दुर्ग को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की गई।

पानी-बिजली की गंभीर समस्या

ज्ञापन में बताया गया कि भिलाई निगम क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या है। बोरिंग और बोर का जलस्तर गिरने से पानी नहीं मिल रहा है। टैंकर सप्लाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। महीनों से समय पर पानी सप्लाई नहीं हो रही। इंटरकनेक्शन नहीं होने से बोरा लाइन, परदेसी चौक, स्पर्श अस्पताल वाली लाइन में पानी नहीं पहुंच रहा। बिजली बंद होने से पूरा शहर अंधेरे में है। बच्चे-बुजुर्ग गर्मी से परेशान हैं। निगम अधिकारियों से बात करने पर टालमटोल किया जाता है।

6 माह से पेंशन बंद, पट्टा नहीं मिलने से पीएम आवास अटका

पार्षदों ने बताया कि विगत 6 माह से विधवा, वृद्धा और सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिल रही है। इससे महिलाएं नगर निगम के चक्कर लगा रही हैं। 4 वर्ष पहले पट्टा नवीनीकरण के नाम पर शिविर लगाकर मूल पट्टे जमा कराए गए थे, लेकिन कई लोगों को अब तक पट्टा नहीं मिला। इससे उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। नए राशन कार्ड पर 4-5 महीने बाद भी राशन नहीं मिल रहा।

आबादी जमीन दर्ज नहीं, आवास योजना से वंचित

वार्ड 16, 17 एवं 18 में 7 एकड़ 82 डेसिमल आबादी जमीन है, जिसका रिकॉर्ड नगर निगम में दर्ज नहीं है। इससे यहां के निवासियों को पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। रिकॉर्ड में दर्ज होने पर उन्हें भी योजना का लाभ मिल सकेगा।

इंजीनियर को श्रद्धांजलि

धरना समापन से पूर्व नगर निगम के इंजीनियर प्रिया खैरवार के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। धरने को पार्षद सेवन ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेसी जमील अहमद, अनिल सिंह सेवादल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रमाकांत देशलहरा, श्याम दास वर्मा, संतोष साहू और भोजमल ने समर्थन दिया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100